महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 314 | उज्जैन, रविवार 26 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

नेगेटिव विचारों को खत्म करने के लिए रोज ज्ञान की बातों से मन को स्नान कराते जाए तो मन पवित्र हो जाएगा

न्यूज ब्रीफ

भारत में नहीं होगी खाद की कमी, रूस में लगेंगे यूरिया के प्लांट

नई दिल्ली/ जीएनएस। रूसी कंपनी यूरालकेम की साझेदारी में इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) समेत भारत की तीन कंपनियां रूस में यूरिया प्लांट लगाने जा रही हैं। इस संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 20 लाख टन होगी और इसे दो वर्षों में चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना को भारत के लिए उर्वरकों की स्थिर और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसकी खास बात होगी कि यहां उत्पादित यूरिया पूरी तरह भारत के लिए रहेगा। यूरिया के कच्चे माल के रूप में अमोनिया रूस से ही उपलब्ध कराया जाएगा।

प्लांट से वाणिज्यिक संचालन शुरू होने तक भारतीय कंपनियां वित्तपोषण की जिम्मेदारी संभालेंगी।इस संयुक्त प्रोजेक्ट को लेकर भारत और रूस के बीच उच्च स्तर पर सहमति पहले ही बन चुकी है। दिसंबर 2025 में आयोजित शिखर बैठक के दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में इस पर समझौता हुआ था। अब जमीन पर उतारने की प्रक्रिया तेज हो गई है।

उर्वरक मंत्रालय की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी प्रोजेक्ट्स एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) ने इसकी प्रारंभिक व्यावहारिकता (प्री-फिजिबिलिटी) रिपोर्ट तैयार कर संबंधित कंपनियों को सौंप दी है।

आईपीएल के प्रबंध निदेशक पीएस गहलौत ने कहा कि यह संयुक्त उद्यम न केवल भारत की खाद सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक आपूर्ति में आने वाले उतार-चढ़ाव से भी देश को बचाएगा। खासकर उस स्थिति में, जब अन्य बड़े निर्यातक देशों द्वारा आपूर्ति में कटौती की जाती है, तब ऐसे प्रोजेक्ट भारत के लिए एक मजबूत विकल्प साबित हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के लिए माना आभार

प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की करें समीक्षा

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों के हित में गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया है। लघु एवं सीमांत कृषकों के साथ-साथ मध्यम एवं बढ़े किसानों के लिये भी स्लॉट बुकिंग प्रारम्भ कर दी गई है। उपार्जन केंद्रों की क्षमता 1000 क्विंटल प्रतिदिन से बढ़ाकर 2250 क्विंटल प्रतिदिन कर दी गई है। स्लॉट बुकिंग की तारीख 30 अप्रैल से बढ़ाकर 09 मई कर दी गई है। इन निर्णयों के परिणामस्वरूप किसानों की आवक केंद्रों पर अब तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में तद्नुसार प्रबन्ध सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंडियों में अपनी उपज बेचने आ रहे किसानों को समस्त प्रकार की सुविधायें उपलब्ध हों और किसी भी प्रकार से तकलीफ न हो। उपार्जन केन्द्रों पर तौल कांटें, हम्माल, छाया, पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी कलेक्टर्स प्रतिदिन गेहूं खरीदी, परिवहन व्यवस्था, भंडारण तथा कृषकों के भुगतान की आवश्यक रूप से समीक्षा करें। चना और मसूर की खरीदी मण्डी में शेड के अंदर की जाए ताकि असमय बारिश से नुकसान न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चना-मसूर उपार्जन की व्यवस्था के संबंध में जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में वीडियो कॉन्फ्रेसिंग से प्रदेश में गेहूं उपार्जन की समीक्षा के दौरान यह निर्देश जिला कलेक्टर्स दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं उपार्जन का लक्ष्य 100 लाख मीट्रिक टन करने के? लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर 7 दिवस की खरीदी के लिए बारदान की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर न्यूनतम 6 इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटों की व्यवस्था हों और निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं का उपार्जन किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उपार्जन केन्द्रों के अतिरिक्त कृषकों द्वारा मंडी में किए जा रहे उपज विक्रय की भी सतत् निगरानी की जाए, जिससे कृषकों को कोई समस्या न हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुना, रायसेन, दतिया, सीधी, विदिशा के कलेक्टर्स से वर्चुअली संवाद कर जिलों की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 3 हजार 516 उपार्जन केन्द्र संचालित हैं। कुल 8 लाख 55 हजार कृषकों द्वारा स्लॉट बुकिंग कराई गई है, जिनमें से 3 लाख 96 हजार कृषकों से 16 लाख 60 हजार मीट्रिक टन गेहूं उपार्जित कर 2 हजार 527 करोड़ रूपए राशि का भुगतान किया जा चुका है। मध्यम एवं बड़े श्रेणी के 40 हजार 457 कृषकों द्वारा 5 लाख 88 हजार मीट्रिक टन मात्रा के स्लॉट बुक किए गए हैं। किसानों को तहसील के स्थान पर जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय की सुविधा दी गई है।

भारत सरकार द्वारा चमक विहीन गेहूं की सीमा में 50 प्रतिशत तक शिथिलता प्रदान की गई है। इसी प्रकार कम पानी के कारण अल्प विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत और क्षतिग्रस्त दानों की सीमा 6 प्रतिशत बढ़ाई गई है। बैठक में कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव श्री नीरज मंडलोई, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल तथा संबंधित विभागों के प्रमुख सचिव व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

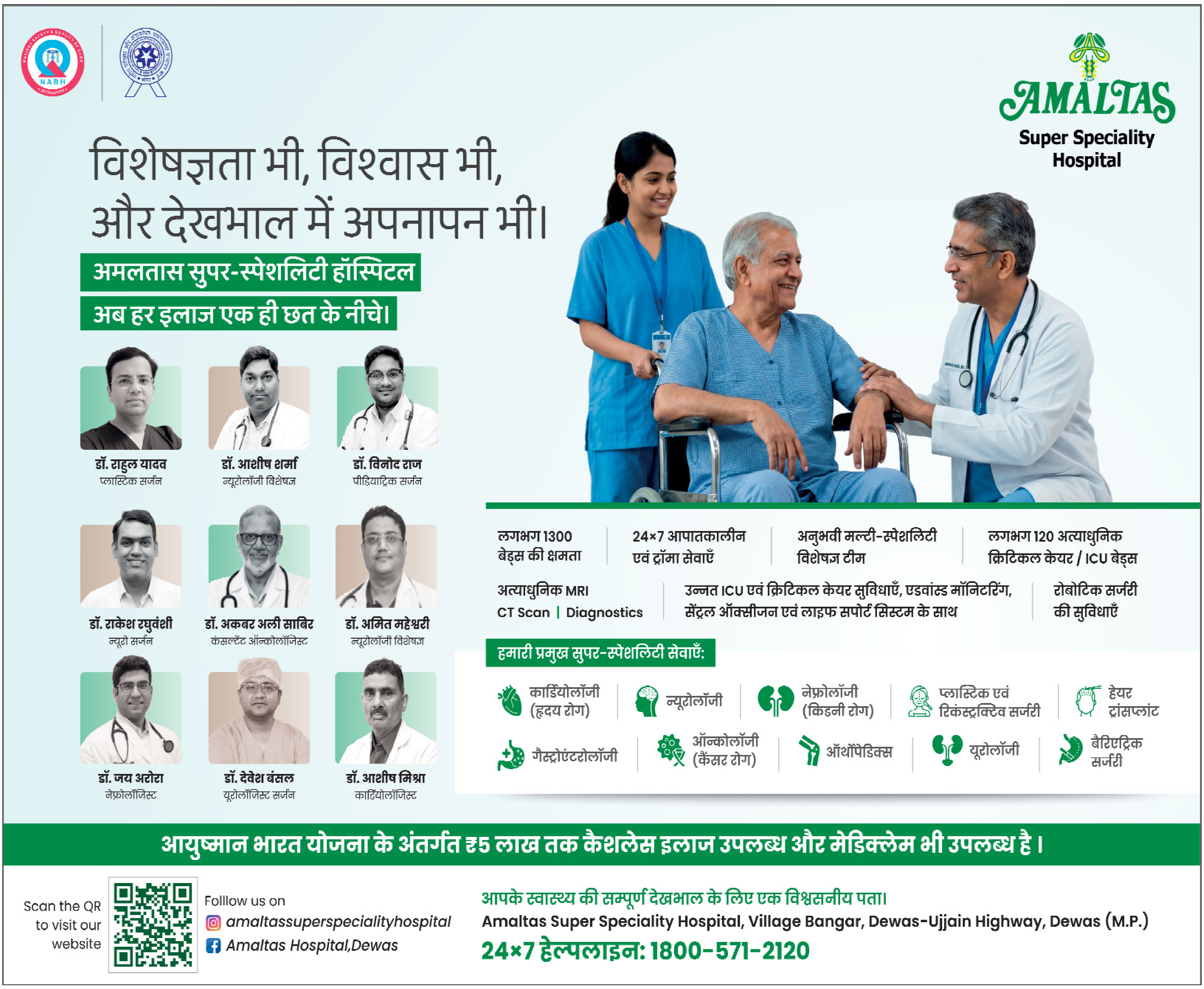

इंदौर में हेलमेट अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई, 1629 वाहन चालकों पर जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे हेलमेट पहनेंङ्गसुरक्षित रहें अभियान के तहत इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती के साथ कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाया। शहर में यातायात को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इंदौर ट्रैफिक पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता और प्रवर्तन दोनों स्तरों पर कार्य किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में सिर की चोटों से होने वाली मौतों को कम करना और नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

ट्रैफिक पुलिस द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। साथ ही अनाउंसमेंट के माध्यम से वाहन चालकों को हेलमेट के महत्व के बारे में भी समझाया जा रहा है। पुलिस द्वारा यह स्पष्ट किया जा रहा है कि यह कार्रवाई केवल नियमों के पालन के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए है, ताकि वे सड़क दुर्घटनाओं के गंभीर परिणामों से खुद को और दूसरों को बचा सकें।

24 अप्रैल को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान कुल 1629 वाहन चालकों पर बिना हेलमेट वाहन चलाने के कारण कार्रवाई की गई। इस दौरान कई स्थानों पर चालान काटने के साथ-साथ लोगों को मौके पर ही जागरूक भी किया गया।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हमेशा हेलमेट का उपयोग करें और यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करें, क्योंकि सड़क पर सुरक्षा ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

मंत्री श्री सिलावट ने एनएचएआई द्वारा निर्माणाधीन फ्लायओवर और अंडरपास के कार्यों की समीक्षा की

बायपास फ्लायओवर और अंडरपास की सौगात अतिशीघ्र - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज शनिवार को अपने निज निवास कार्यालय पर एनएचएआई द्वारा निर्माणाधीन अर्जुन बरोदा, झलारिया, एमआर-10 और रालामंडल फ्लायओवर और अंडरपास के विकास कार्यों की समीक्षा की।

मंत्री श्री सिलावट ने समीक्षा के दौरान बताया कि अर्जुन बरोदा पर 1 किलोमीटर 6 लेन सड़क 60 मीटर के अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है और लाईट, रोड मार्किंग इत्यादि का कार्य अतिशीघ्र समाप्त कर इसे टेस्टिंग के लिए चालू कर दिया जायेगा। इसी प्रकार झलारिया और एमआर-10 पर निर्माणाधीन अंडरपास का निर्माण कार्य भी चल रहा है जिसका कार्य बारिश के पूर्व समाप्त कर आम जनता के लिए चालू कर दिया जायेगा। यह सभी फ्लायओवर और अंडरपास का निर्माण अतिशीघ्र होने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी के नेतृत्व में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरीजी के द्वारा लोकार्पण कराया जायेगा। मंत्री श्री सिलावट ने बायपास पर लम्बा जाम लगने पर असंतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि सर्विस रोड और स्ट्रीट लाईट बंद से होने ग्रामीण और शहरी लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है, जिसका निराकरण जल्दी करें और सर्विस रोड आदि का निर्माण भी अतिशीघ्र करें।

मालवा निमाड़ बना भट्टी, रतलाम में पारा 43, इंदौर में 41 पार, 10 साल में पहली बार ऐसा मौसम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा और निमाड़ अंचल में अप्रैल के महीने में ही भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है और पूरा क्षेत्र भट्टी की तरह तप रहा है। शुक्रवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो क्षेत्र में सबसे अधिक रहा। इसी तरह धार में 42.4, खरगोन में 42.0, खंडवा और उज्जैन में 41.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इंदौर में भी पारा 41.2 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले एक सप्ताह तक इस तपती गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। शनिवार को भी इंदौर में सुबह से भीषण गर्मी है। सुबह 7 बजे से ही तेज धूप लग रही है और 11 बजे ही पारा 40 डिग्री के पास पहुंच गया है।

इंदौर शहर में शुक्रवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा जहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। इस साल यह पहली बार है जब पारा 41 डिग्री के स्तर को पार कर गया है। आंकड़ों के अनुसार 14 अप्रैल से ही शहर का तापमान लगातार 39 से 40 डिग्री या उससे अधिक बना हुआ है। शुक्रवार की दोपहर हवाओं की स्थिति लू जैसी रही जहां 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाले गर्म थपेड़ों ने लोगों को झुलसाने का अहसास कराया। अगले सात दिनों तक मौसम का यही कड़ा रुख बने रहने की आशंका है। इस गर्मी के मौसम में एक विशेष पैटर्न देखा जा रहा है कि सुबह 8 बजे तक मौसम सामान्य रहता है।

एमपी ट्रांसको ने दमोह की पारेषण व्यवस्था को किया सशक्त- ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

220 केवी सब स्टेशन दमोह मे ऊर्जीकृत हुआ नया 50 एम.वी.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने दमोह जिले की विद्युत पारेषण प्रणाली को और अधिक मजबूत एवं विश्वसनीय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। एम पी ट्रांसको द्वारा 220 केवी सब स्टेशन, दमोह में क्षमता वृद्धि करते हुए 43 वर्ष पुराने 20 एम.वी.ए. पावर ट्रांसफार्मर के स्थान पर 50 एम.वी.ए. का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे सब स्टेशन की क्षमता बढ़कर 650 एम.वी.ए.की हो गई है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि लगभग 5 करोड रुपये की अनुमानित लागत के इस अपग्रेडेसन से दमोह जिले में विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए किया गया यह कार्य न केवल वर्तमान जरूरतों को पूरा करेगा,बल्कि भविष्य की मांग के अनुरूप भी पर्याप्त क्षमता उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने कहा विद्युत मांग में वृद्धि को देखते हुए कंपनी द्वारा विभिन्न सब स्टेशनों पर क्षमता वृद्धि और आधुनिकीकरण के कार्य लगातार किए जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर और भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इस क्षमता वृद्धि से दमोह जिले सहित आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अधिक निर्बाध और विश्वसनीय हो सकेगी।

एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता श्री एम वाय मंसूरी ने बताया कि दमोह जिले की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन कैपेसिटी बढकर 1083 एम.वी.ए. हो गई है। दमोह जिले में एमपी ट्रांसको अपने छह सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है जिसमें 220 के वी सबस्टेशन दमोह के अलावा एवं 132 के वी के 5 सब स्टेशन दमोह 132 केवी 90 एमवीए,बटियागढ़ 90 एम.वी.ए.,हटा 113 एम.वी.ए.,पटेरा 50 एमवीए एवं तेजगढ़ 90 एम.वी.ए. शामिल हैं।

इंदौर में संघ की शताब्दी यात्रा पर सुरेश सोनी का उद्बोधन, समाज को आत्मगौरव और संगठन की दिशा में बढ़ने का आह्वान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित जन गोष्ठियों की श्रृंखला में आज सुरेश सोनी ने शहर के विभिन्न सभागारों में समाज के प्रबुद्ध वर्ग को संबोधित करते हुए संघ की सौ वर्षों की यात्रा और उसके उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चोईथराम स्कूल के सभागार में सेवानिवृत्त न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का समाज प्राचीन काल से पुरुषार्थ प्रधान रहा है। उन्होंने बताया कि विश्व की अनेक सभ्यताएं अपने उत्कर्ष के बावजूद समाप्त हो गईं, लेकिन भारतीय संस्कृति कालजयी बनी रही। स्वतंत्रता आंदोलन के समय डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के मन में यह प्रश्न बार-बार उठता था कि इतनी समृद्ध संस्कृति होने के बावजूद भारत बार-बार परतंत्र क्यों हुआ। इस पर गहन अध्ययन के बाद उन्होंने पाया कि समाज संगठित जीवन का भाव भूल गया था, और इसी के समाधान के रूप में संघ की स्थापना की गई।

उन्होंने कहा कि देश को ऐसे अखिल भारतीय संगठन की आवश्यकता थी, जो समाज में निस्वार्थ राष्ट्रभावना को पुनर्जीवित कर सके और हीनता के भाव को समाप्त कर आत्मगौरव का संचार करे। यह भावना भाषा और क्षेत्रीयता से ऊपर उठकर राष्ट्र के व्यापक हित से जुड़ी हुई है।

संघ की सौ वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस दौरान समाज जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अनेक प्रकल्प प्रारंभ किए गए और भारतीय मूल्यों के आधार पर दीर्घकालीन कार्य किए गए। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना रही है, जो संपूर्ण विश्व के कल्याण की दिशा में मार्गदर्शन करती है।

बाद में एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सभागार में शहर के उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए सुरेश सोनी ने कहा कि समाज की समस्याओं का समाधान समाज को स्वयं ही करना होगा। उन्होंने शताब्दी वर्ष के तहत निर्धारित 'पंच परिवर्तन' के विषयों पर प्रकाश डालते हुए समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता को अत्यंत आवश्यक बताया।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में श्रम का सदैव सम्मान रहा है और आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए भी अपनी भाषा, संस्कृति और जीवनशैली से विमुख नहीं होना चाहिए। साथ ही, समाज के प्रत्येक वर्ग में सकारात्मक वातावरण और कर्तव्यबोध का निर्माण जरूरी है। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने आह्वान किया कि समाज और राष्ट्र के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार निस्वार्थ भाव से कार्य करे, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर कल्याणकारी नेतृत्व की भूमिका निभा सके।

रविदास नगर हत्याकांड का खुलासा, पानी भरने के विवाद में युवक की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के रविदास नगर क्षेत्र में पानी भरने को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें एक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस थाना लसुड़िया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस मामले का खुलासा कर दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना 24 अप्रैल की सुबह की है, जब चिंताराम राठौर का मोहल्ले के युवक मोहित से पानी भरने को लेकर विवाद हो गया था। दोनों के बीच हाथापाई भी हुई, हालांकि उस समय मामला शांत हो गया। लेकिन शाम को पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने बदला लेने की योजना बनाई और जोतीबाई फाटक के पास एक ढाबे पर खाना खा रहे चिंताराम राठौर पर हमला कर दिया।

हमले के दौरान कुलदीप परमार ने चाकू से वार किया, जबकि अन्य आरोपियों ने उसे पकड़ रखा था। गंभीर रूप से घायल चिंताराम को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। यह कार्रवाई संतोष कुमार सिंह, आर.के. सिंह और कुमार प्रतीक के निर्देशन में की गई।

जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी मोटरसाइकिल से फरार होने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस टीम ने बायपास पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। भागने के दौरान उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई, जिससे वे गिर पड़े और पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

गिरफ्तार आरोपियों में मोहित अंकेल (21 वर्ष) और कुलदीप परमार (19 वर्ष) शामिल हैं, दोनों रविदास नगर के निवासी हैं। पूछताछ में उन्होंने जुर्म कबूल करते हुए बताया कि सुबह हुए विवाद का बदला लेने के लिए उन्होंने मिलकर हत्या की। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त चाकू और मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है और आगे की पूछताछ के लिए न्यायालय से रिमांड लिया जा रहा है। मामले में अन्य आरोपियों की तलाश और विस्तृत जांच जारी है।

डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के लिए डायरेक्ट एजेंट्स के चयन हेतु साक्षात्कार 20 मई को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के संचार मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय डाक विभाग द्वारा सम्पूर्ण इंदौर जिले में करने हेतु डाक जीवन बीमा तथा ग्रामीण डाक जीवन बीमा योजनाओं के व्यवसाय अर्जन के लिए डायरेक्ट एजेंट्स का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाना है। इस हेतु साक्षात्कार का आयोजन 20 मई को प्रातः 11.30 बजे से एम.जी. रोड स्थित श्री कृष्णा टाकीज के पास मुख्य डाकघर में आयोजित किया जाएगा। इंदौर संभाग प्रवर अधीक्षक डाकघर से प्राप्त जानकारी के अनुसार चयनित अभ्यर्थियों को आकर्षक इंसेंटिव एवं कमीशन के आधार पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। साक्षात्कार में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी का न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण अथवा समकक्ष होना आवश्यक है तथा न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान एवं स्थानीय भाषा का समुचित ज्ञान होना आवश्यक है। मार्केटिंग एवं सेल्स का अनुभव रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने बायोडाटा, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक योग्यता संबंधी प्रमाण पत्र, अन्य संबंधित दस्तावेज एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ प्रवर अधीक्षक डाकघर, इंदौर नगर संभाग, एम.जी. रोड स्थित इंदौर नगर मुख्य डाकघर की तृतीय मंजिल, श्री कृष्णा टाकीज के पास उपस्थित हो सकते हैं। आवेदन एवं अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी निकटतम डाकघर अथवा दूरभाष क्रमांक 0731-2531173 एवं 7587598453 पर संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर में MD ड्रग्स नेटवर्क का पर्दाफाश, महिला तस्कर और राजस्थान का सप्लायर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस थाना खजराना की कार्रवाई में अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने बैक ट्रैकिंग जांच के दौरान एक महिला तस्कर और राजस्थान के ड्रग सप्लायर को गिरफ्तार कर एमडी ड्रग्स की सप्लाई चेन को उजागर किया है।

एक दिन पहले 11 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स के साथ पकड़े गए आरोपी अमान से पुलिस रिमांड में पूछताछ के दौरान अहम जानकारी मिली। इसी के आधार पर पुलिस टीम ने खजराना क्षेत्र के पटेल कट पक्कीजा रोड पर दबिश दी, जहां संदिग्ध महिला फिरदौस पटेल को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी में उसके पास से 15 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है।

पूछताछ के आधार पर पुलिस ने इस मामले में ड्रग्स सप्लाई करने वाले नारायण सिंह चौहान को भी गिरफ्तार किया, जो राजस्थान के चित्तौड़गढ़ का निवासी है। उसे रेलवे स्टेशन से हिरासत में लिया गया।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी नशे की लत पूरी करने और जल्दी पैसा कमाने के उद्देश्य से सस्ते दामों में ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों में बेचते थे। आरोपियों के खिलाफ थाना खजराना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

यह पूरी कार्रवाई संतोष कुमार सिंह, आर.के. सिंह और कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन में की गई। पुलिस अब आरोपियों से ड्रग्स के स्रोत और पूरे नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है तथा अन्य संलिप्त लोगों की तलाश जारी है।

खजराना पुलिस ने इस कार्रवाई को अवैध नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत बड़ी सफलता बताया है और स्पष्ट किया है कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल अन्य आरोपियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

वार्ड 44 का महापौर ने किया निरीक्षण, सफाई व्यवस्था संतोषजनक, पेयजल समस्याओं के निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुष्यमित्र भार्गव ने शनिवार सुबह वार्ड क्रमांक 44 के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने रहवासियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और व्यवस्थाओं पर फीडबैक लिया।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद निशा रुपेश देवलिया, अधिकारी आशीष पाठक सहित अन्य मौजूद रहे। महापौर ने एमआर-9 रोड और प्रकाश चंद सेठी नगर सहित आसपास की कॉलोनियों में सफाई, कचरा संग्रहण, नालियों की स्थिति और पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया।

रहवासियों ने सफाई व्यवस्था को संतोषजनक बताया, वहीं पेयजल आपूर्ति को लेकर कुछ समस्याएं भी सामने रखीं। महापौर ने नागरिकों के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वार्ड में सफाई कार्य नियमित और व्यवस्थित रूप से किया जाए, कचरा संग्रहण समयबद्ध हो और पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आने दी जाए। साथ ही नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

महापौर ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है और इसमें नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है।

विधुर नगर में एक हजार 182 किलोग्राम अवैध भांग बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर आज 25 अप्रैल 2026 को विधुर नगर क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी संजय मिश्रा के निवास 102-क्र विधुर नगर पर दबिश दी गई। जहाँ से अवैध रूप से संग्रहीत भांग बुरादा बरामद किया गया। मौके से कुल एक हजार 182 किलोग्राम भांग बुरादा आरोपी के कब्जे से जप्त किया गया,जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 36 हजार 400 रुपए है। उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। यह कार्रवाई कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राघवेंद्र कुशवाह एवं श्री कमलेश सोलंकी (उड़न दस्ता प्रभारी) के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यवाही में आरक्षक श्री मुकेश रावत एवं श्री अजय का विशेष योगदान रहा।

बच्चों के अपहरण केस में खुलासा, आर्थिक नुकसान के बाद रची साजिश; चार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दो बच्चों के अपहरण के मामले ने कुछ घंटे के लिए परिजन और पुलिस-प्रशासन को संकट में डाल दिया था। बच्चों के अपहरण की खबर पूरे शहर में फैलते ही हड़कंप मच गया। हालांकि, इस पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महज पांच घंटे में ही बच्चों को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से सकुल छुड़ाकर परिजनों को सौंप दिया है। इसके बाद परिजनों ने राहत का सांस ली। पुलिस ने लाला राम नगर के बगीचे से बच्चों का अपहरण करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनका नाम राधिका प्रजापति, तनिषा सेन, ललित सेन और विनीत प्रजापति हैं। राधिका और विनीत भाई बहन हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कर्ज लेकर शेयर बाजार में पैसा लगाया था। शेयर में नुकसान होने के कारण उन्होंने अपहरण की प्लानिंग की थी। वे दो दिन से बच्चों की रेकी कर रहे थे। दो दिन पहले बगीचे के फ्लैट पर वे एक बच्चे को ले कर गए थे।

ए.आई. आधारित ई-चेक गेट से खनिज परिवहन पर होगा कड़ा नियंत्रण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खनिजों के अवैध परिवहन पर रोक लगाने के लिए खनिज विभाग ने प्रदेशभर में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू कर दिया है। अब प्रदेश में पूर्णतः मानव रहित ए.आई. बेस्ड ई-चेक गेट प्रणाली लागू कर दी गई है,जिससे खनिज परिवहन की निगरानी और सख्त हो गई है। प्रदेश स्तर पर अब तक 40 ई-चेक गेट सक्रिय किए जा चुके हैं। इसी क्रम में इंदौर जिले में ग्राम सनावदिया के पास एक ई-चेक गेट स्थापित किया गया है, जहां से गुजरने वाले वाहनों की पूरी जांच स्वचालित रूप से की जा रही है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शासन द्वारा प्रारंभ की गई इस नई व्यवस्था का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जाए। खनिज अधिकारी श्री जयदीप नामदेव ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत अब बिना ई-ट्रांजिट पास खनिज परिवहन करने वाले वाहनों पर सीधे ई-चालान की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

क्या है नई व्यवस्था की खासियत- सभी खनिज परिवहन वाहनों पर RFID टैग अनिवार्य किया गया।

टैग वाहन के फ्रंट विंडशील्ड पर लगाया जाएगा।

ई-चेक गेट से गुजरते ही वाहन की पूरी जानकारी सिस्टम में दर्ज होगी।

वेरीफोकल कैमरा, ANPR (नंबर प्लेट रीडर) और RFID रीडर से जांच होगी।

वाहन संख्या, खनिज की मात्रा और वजन का स्वतः मिलान होगा।

नियम उल्लंघन पर तुरंत कार्रवाई- यदि कोई वाहन बिना ई-टीपी या निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज ले जाते पाया जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल ऑनलाइन कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में और बढ़ेगा नेटवर्क- खनिज विभाग ने इंदौर जिले के उन मार्गों को चिन्हित किया है जहां खनिज परिवहन अधिक होता है। ऐसे मार्गों पर जल्द ही 2-3 नए ई-चेक गेट स्थापित किए जाएंगे।

नियमों में संशोधन- इस पूरी व्यवस्था को कानूनी मजबूती देने के लिए 16 अप्रैल 2026 को राजपत्र प्रकाशित कर खनिज नियमों में संशोधन किया जा चुका है।

‘तपोभूमि’ में भाजपा का आक्रोश सम्मेलन, विपक्ष पर सीधा हमला, भाजपा ने कांग्रेस-इंडिया गठबंधन पर साधा निशाना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिलाओं के अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी के मुद्दे पर अब सियासी तापमान बढ़ता नजर आ रहा है। शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय ‘तपोभूमि’ में आयोजित महिला जन आक्रोश सम्मेलन इसी बढ़ते राजनीतिक टकराव का संकेत बन गया।

कार्यक्रम में भाजपा ने कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि नारीज़ शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष ने महिलाओं के हक में खड़े होने के बजाय राजनीति की है। बड़ी संख्या में जुटीं महिला कार्यकर्ताओं ने इसे नारी सम्मान बनाम विपक्ष की राजनीति का मुद्दा बताया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवंतिका जाट ने मंच से कहा कि देश की आधी आबादी अब सिर्फ दर्शक नहीं, बल्कि सत्ता की निर्णायक ताकत है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि महिलाओं के सशक्तिकरण के ऐतिहासिक अवसर को जानबूझकर रोका गया, जो सीधा-सीधा नारी शक्ति का अपमान है।

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने भी विपक्षी ‘इंडिया’ गठबंधन को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि तकनीकी बहानों के जरिए महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश की गई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विधेयक महिलाओं को राजनीतिक रूप से मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम था, जिसे विपक्ष ने सियासी स्वार्थ में उलझा दिया।

महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मीना जायसवाल ने कहा कि यदि यह अधिनियम पारित होता तो महिलाओं को न केवल आरक्षण मिलता, बल्कि उनकी भागीदारी नई ऊंचाइयों तक पहुंचती। उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों के विस्तार का मजबूत आधार बताया।

सम्मेलन के दौरान माहौल पूरी तरह आक्रोश और एकजुटता से भरा नजर आया। महिला कार्यकर्ताओं ने खुलकर विपक्ष के खिलाफ आवाज उठाई और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन मंजू शर्मा ने किया, जबकि अंत में नारी सम्मान को लेकर राजनीतिक लड़ाई तेज करने का संदेश दिया गया।

बाल विवाह पर प्रशासन की सख्ती- सेमार्डा में 16 वर्षीय बालिका का बाल विवाह रुकवाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव के निर्देशानुसार संपूर्ण जिले में बाल विवाह रोकथाम हेतु विशेष निगरानी रखी जाकर सतत कार्यवाही की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती अंकिता पंड्या ने बताया, कि एस.डी.एम.नीमच श्री संजीव साहू के मार्गदर्शन में ग्राम सेमार्डा में दल ने पहुंचकर जांच की। जांच में एक बालिका सुमन (परिवर्तित नाम) की जिसकी आयु 16 वर्ष 10 माह पाई गई, दल द्वारा परिवारजनों को समझाईश देकर उसका बाल विवाह रूकवाया गया है। दल द्वारा परिवार को समझाइश दी एवं पंचनामा बनाया। परिवार ने बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने पर ही विवाह करने का आश्वासन दिया। टीम द्वारा चेतावनी दी गई है कि यदि 18 वर्ष के पहले बालिका का बाल विवाह किया, तो वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

स्टीमर हादसा, लापरवाही आई सामने, 2 संचालकों पर केस, आरोपी फरार, नाव जब्ती की तैयारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र में शिवना नदी के बालाहेड़ी घाट पर गत् दिनों आंधी-तूफान के दौरान हुए दर्दनाक स्टीमर हादसे में पुलिस जांच में प्रारंभिक तौर पर लापरवाही के संकेत मिलने पर स्टीमर संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जे फरार है, साथ ही पुलिस ने स्टीमर (नाव) को जब्त करने की तैयारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि 7 अप्रेल शाम करीब 5.30 बजे खात्याखेड़ी के पास रायसिंह पिपलिया घाट क्षेत्र में सवारियों से भरे स्टीमर में अचानक आई तेज आंधी के कारण अफरा-तफरी मच गई थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से आशा सूर्यवंशी (22) निवासी कुशालपुरा नदी में गिर गई थीं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने करीब एक घंटे की सर्चिंग के बाद युवती का शव नदी से बाहर निकाला था। घटना के बाद पुलिस ने विभिन्न पहलुओं पर जांच शुरू की है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आ रहा है कि खराब मौसम के बावजूद स्टीमर का संचालन किया जा रहा था। साथ ही स्टीमर में क्षमता से अधिक सवारियां होने और सुरक्षा उपायों की कमी जैसे बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है नाहरगढ़ पुलिस ने इस मामले में धारा 106(1) में आरोपी लालाराम पिता शंभुलाल सूर्यवंशी एवं कृष्णपालसिंह पिता मोतीसिंह राजपूत निवासी रायसिंह पिपलिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दोनों पर लापरवाहीपूर्वक स्टीमर संचालन का आरोप है। थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने बताया कि हादसे में प्रयुक्त स्टीमर (नाव) को जब्त किया जाएगा। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि स्टीमर संचालन के लिए आवश्यक अनुमति, सुरक्षा उपकरण और नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। टीआई तिवारी का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और भी कोई दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना 2027: सिंगोली में मकान गणना एवं सूचीकरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले के तहसील सिंगोली के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान गणना एवं मकान सूचीकरण का प्रशिक्षण 23 अप्रैल से 25 अप्रैल 2026 तक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगोली मे संपन्न हुआ।

यह प्रशिक्षण चार्ज अधिकारी तहसीलदार, तहसील सिंगोली (ग्रामीण) एवं चार्ज अधिकारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद सिंगोली-रतनगढ़ के निर्देशन में मास्टर ट्रेनर श्री राजेंद्र जोशी, श्री हरचरणजीत सिंह वालिया, श्री नटवरलाल छीपा, श्री कुंजबिहारी कारपेंटर एवं श्री घीसालाल धनगर द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने सभी प्रगणकों तथा पर्यवेक्षकों को मकान गणना एवं सूचीकरण से संबंधित प्रत्येक आवश्यक बिंदु को स्पष्ट रूप से समझाया ।

प्रशिक्षण के समापन पर सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों से फीडबैक लिया , जिसमें सभी ने प्रशिक्षण की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे जनगणना का कार्य सफलता पूर्वक सहजता से पूर्ण करने में सक्षम हैं।

अंत में चार्ज अधिकारियों एवं मास्टर ट्रेनरों ने सभी प्रतिभागियों को आश्वस्त किया कि कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की आवश्यकता पड़ने पर वे सहयोग हेतु सदैव उपलब्ध रहेंगे।

11 में से छह पुलिसकर्मियों को लाईन से मिला सीतामऊ थाना, तीन लाईन अटैच, दो के बदले थाने

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने प्रशासनिक कार्य सुविधा की दृष्टि से अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक 11 पुलिसकर्मियों को इधर से उधर किया है। इसमें छह पुलिसकर्मियों को एक साथ लाईन से सीतामऊ थाना मिला है तो कोतवाली से एक और दलौदा थाने से दो पुलिसकर्मी को लाईन अटैच कर दिया गया है। जबकि दो पुलिसकर्मियों के थानों में बदलाव किया गया है। पुलिस कमान के हस्ताक्षर से जारी सूची के अनुसार कार्यवाहक सऊनि रविन्द्र पुरोहित, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक पंकजसिंह तोमर, आरक्षक राकेश रोशन पाटीदार, गोविन्द सालवी, शांतिलाल पाटीदार, सुरेश कुमावत सभी की पुलिस लाईन में पदस्थापना थी। इन सभी छह पुलिसकर्मी को सीतामऊ थाने में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा आरक्षक हरिओम पाटीदार जो कि सुवासरा थाने में पदस्थ थे, उन्हें पिपलियामंडी थाने में भेजा गया है। आरक्षक भूपेन्द्रसिंह को गरोठ थाने से हटाकर पिपलियामंडी थाने में पदस्थ किया गया है। इसके अलावा कोतवाली से आरक्षकमोहित पंवार को लाइन अटैच किया गया है। साथ ही दलौदा थाने से कार्यवाहक प्रआ हरीश यादव एवं आरक्षक गोपाल कृष्ण को पुलिस लाईटन अटैच होने के आदेश जारी किए गौरतलब है कि पूर्व में तबादला सूची में गांधी सागर थाने से एकसाथ पांच पुलिसकर्मियों को लाईन में भेजा गया था। इसके बदले गांधीसागर थाने में अभी पुलिसकर्मियों की पदस्थापना आदेश जारी नहीं हुए हैं।

दलौदा पुलिस ने 15 लीटर कच्ची शराब व 16 क्वार्टर देशी मदिरा के बरामद किए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस ने चार अलग-अलग मामलोंमें 15 लीटर कच्ची शराब तथा 16 क्वार्टर देशी शराब के बरामद कर चार आरोपी बनाए हैं। पुलिस के अनुसार 24 अप्रैल की दोपहर में गौतम नगर दलौदा में मौके से गमेश्वर पिता देवाजी जाति बागरी 45 वर्ष निवासी आधारी उर्फ निरधारी थाना दलौदा को पांच लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब ले जाते सगे हाथ पकड़ा है। वहीं कचनारा चौकी पुलिस ने बांछड़ा डेग आम रोड पर एक आरोपी के कब्जे से 5 लीटर कच्ची शराब बरामद की।

अडॉप्ट एन आंगनवाड़ी अभियान तहत जन सहयोग से सक्षम आंगनबाड़ी बनाएं - श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव की उपस्थिति में जिला पोषण समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास सुश्री अंकिता पंड्या ने पी.पी.टी. के माध्यम से जानकारी प्रस्तुत की।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने निर्देशित किया कि जिले में आंगनवाड़ी का नियमित संचालन नॉर्म्स अनुसार करें, सैम, मैम एवं अति कम वजन के बच्चों का वास्तविक चिन्हांकन करें, एडाप्ट अन आंगनवाड़ी के तहत जन सहयोग से सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्र बने बने आंगनबाड़ी में आवश्यक शेष कार्य पूर्ण करवाएं, कोलोकेशन वाली आंगनवाड़ी का सत्यापन करें, जिले में चिन्हित हॉट स्पॉट वाले आंगनवाड़ी केंद्रों पर विशेष ध्यान दें, सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में सुविधाओं का विस्तार करें और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी संकलित करें।

शालापूर्व अनौपचारिक शिक्षा का अधिक प्रभावी आयोजन नियमित करें, पंजीयन से शेष 3 से 6 वर्ष के बच्चों को दर्ज करें। जिले में प्रतिमाह की जा रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की ग्रेडिंग अनुसार कमजोर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का नियमित प्रशिक्षण आयोजित करें तथा कार्य नहीं करने या लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई करें।

एफ.आर.एस., आभा आई.डी., अपार आई.डी. के शेष कार्य 30 अप्रैल तक पूर्ण करें। वजन से एक भी बच्चा शेष न रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी, परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें। गर्म पके भोजन व टेक होम राशन की नियमित निगरानी करें।

‘एडॉप्ट एन आंगनवाड़ी’ तहत समुदाय के समन्वय एवं सहयोग से सुपोषण के लिए कार्य करें। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना की छात्रवृत्ति से शेष बालिकाओं को शत-प्रतिशत छात्रवृत्ति का वितरण करें। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के क्षमता संवर्धन हेतु विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करें तथा पोषण पुनर्वास केंद्र में बच्चों को नियमित रूप से भर्ती करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए हैं।

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डी. प्रसाद, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मनीष यादव, जिला परियोजना सहायक श्री दिलीप व्यास, जिला शिक्षा अधिकारी श्री एम.एस. मांगरिया, सहायक संचालक श्री वैभव बैरागी, श्री इरफान अंसारी, श्रीमती कविता चौहान, श्रीमती आभा पाटीदार, श्रीमती दीपिका नामदेव, पर्यवेक्षक एवं ब्लॉक समन्वयक उपस्थित थे।

पिपलिया में अब अंडरपास निर्माण कार्य शुरू, जनता को मिलेगी सौगात

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलिया नगर के रेलवे समपार क्रमांक 141, जिसे पूर्व में रेलवे ने बंद कर दिया गया था, पर अब नागरिकों की सुविधा के लिए अंडरपास निर्माण कार्य शुरू हो गया है। लंबे इंतजार के बाद यहां पोकलेन मशीन पहुंची, जिसके बाद सुबह से निर्माण कार्य की औपचारिक शुरुआत कर दी गई। बंद पड़े रेलवे फाटक पर बने पुराने क्वार्टर को पहले तोड़ा गया, इसके बाद अंडरपास के लिए खुदाई कार्य प्रारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि मनासा मार्ग स्थित इस रेलवे फाटक पर पूर्व में बार-बार जाम की स्थिति बनती थी, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या के समाधान के लिए यहां ओवरब्रिज का निर्माण किया गया था। हालांकि, रेलवे लाइन के दोनों ओर बसी आबादी के कारण लोगों को आवागमन में अब भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से स्कूली बच्चों को आने-जाने में काफी दिक्कतें उठानी पड़ती थीं। क्षेत्रीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग पर यहां अंडरपास निर्माण को स्वीकृति दी गई थी। लंबे समय से इस कार्य के शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे क्षेत्रवासियों में अब निर्माण कार्य प्रारंभ होने से हर्ष का माहौल है। लोगों को उम्मीद है कि अंडरपास बनने के बाद आवागमन सुगम होगा और उन्हें राहत मिलेगी।

सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में सुचारू रूप से उपलब्ध कराएं स्वास्थ्य सेवाएं- कलेक्टर श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निर्देश दिए कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्था स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। अत्यावश्यक होने पर ही मरीज को समय पर उच्च संस्था के लिए रेफर किया जाए। यह सभी चिकित्सक सुनिश्चित करें। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष, नीमच में आयोजित जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक में कलेक्टर ने विभागीय समीक्षा करते हुए उक्त निर्देश सभी शासकीय चिकित्सकों को दिए। बैठक में जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अमन वैष्णव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र पाटिल सहित सभी सेक्टर मेडिकल ऑफिसर एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के पैरामीटर्स पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेक्टर सुपरवाइजर एवं सेक्टर मेडिकल ऑफिसरों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में संपूर्ण स्वास्थ्य अमला, स्वास्थ्य के सभी पैरामीटर्स पर बेहतर कार्य करे।

बैठक में कलेक्टर ने उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उन्हें स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की विस्तार से समीक्षा की और निर्देश दिए कि कोई भी उच्च जोखिम गर्भवती महिला स्क्रीनिंग एवं स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे, सभी सेक्टर मेडिकल ऑफिसर यह सुनिश्चित करें। उन्होंने उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन एवं उन्हें सेवाएं उपलब्ध कराने के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं लाने वाले सी.एच.ओ. और सेक्टर सुपरवाइजर के विरुद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

निजी विमान से मंदसौर पहुँचे कांग्रेस सचिव सत्यनारायण पटेल, किसान न्याय सत्याग्रह में भरी हुंकार

सत्ता के संरक्षण में उद्योगपतियों की तिजोरियां भर रही सरकार, किसान की मेहनत का मोल नहीं– सत्यनारायण पटेल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला युवा कांग्रेस के तत्वावधान में कृषि उपज मंडी प्रांगण में चल रहा किसान न्याय सत्याग्रह ग्यारहवें दिन भी जोश के साथ जारी रहा। युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस सत्याग्रह को धार देने के लिए अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल विशेष रूप से निजी विमान से मंदसौर पहुँचे। उनके साथ जावद विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी समंदर पटेल भी सत्याग्रह स्थल पर पहुँचे, जहाँ कांग्रेस कार्यकर्ताओं और किसानों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

सत्याग्रह स्थल पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने केंद्र की कृषि नीतियों को किसान विरोधी करार देते हुए स्पष्ट कहा कि युवा कांग्रेस का गौरवशाली इतिहास सदैव अन्नदाताओं के हक की लड़ाई से जुड़ा रहा है। उन्होंने आगाह किया कि जब तक सरकार किसानों के हित में कोई ठोस और न्यायपूर्ण निर्णय नहीं लेती, तब तक यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। पटेल ने जोर देकर कहा कि सत्ता में बैठी सरकार अब किसानों की आवाज को और अधिक समय तक अनसुना नहीं कर पाएगी। उन्होंने केंद्र की कृषि नीतियों को किसान विरोधी करार देते हुए कहा कि आज देश का अन्नदाता अपनी ही जमीन पर बेगाना महसूस कर रहा है। सरकार कागजों पर तो किसानों की आय दोगुनी करने का ढोंग रच रही है, लेकिन हकीकत में बीज से लेकर खाद तक की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि कर किसानों की कमर तोड़ दी गई है। पटेल ने आगे कहा कि जब तक सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और किसानों के हित में कोई ठोस व न्यायपूर्ण निर्णय नहीं लेती, तब तक यह आंदोलन रुकने वाला नहीं है। उन्होंने आगाह किया कि सत्ता के अहंकार में डूबी सरकार अब किसानों की आवाज को और अधिक समय तक अनसुना नहीं कर पाएगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे गांवों की चौपालों तक इस संदेश को ले जाएं कि यह सरकार केवल चंद उद्योगपतियों की तिजोरियां भरने का काम कर रही है और किसान के पसीने की कीमत उसे नहीं मिल रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने किसानों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने भारत-विरोधी ट्रेड डील का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि यह गुप्त समझौते देश के डेटा, कृषि और विशेषकर डेयरी सेक्टर के हितों को भारी नुकसान पहुँचाने वाले हैं, जिसके खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष निर्णायक मोड़ तक जारी रहेगा। मंदसौर विधायक विपिन जैन ने भी प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों के साथ होने वाले किसी भी अन्याय को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कांग्रेस अंतिम सांस तक किसानों को उनका अधिकार दिलाकर रहेगी। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने आंदोलन की आगामी रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा कि किसानों के न्याय के लिए शुरू किया गया यह सत्याग्रह अब एक जनांदोलन बन चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि किसानों की माँगें जल्द पूरी नहीं हुईं तो आने वाले समय में आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा। यह सत्याग्रह केवल एक विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि सोई हुई सरकार को जगाने का शंखनाद है। सभा को परशुराम सिसोदिया, सोमिल नाहटा, राजेश रघुवंशी और बद्रीलाल धाकड़ जैसे वरिष्ठ नेताओं ने भी संबोधित कर कहा कि कांग्रेस हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। इस अवसर पर पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटील, पुष्पा भारती,युवा कांग्रेस नेता विनोद पटेल, शिबू गुज, मन्नू बन्ना, बल्लू गुर्जर, राकेश पाटीदार, जीवन चौहान, राहुल अहीर, जयंतीलाल चौधरी, संदीप दास, जीतू बैरागी, महावीर भाटी सहित जिले भर से आए बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और किसान साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अनिल शर्मा एवं युका शहर अध्यक्ष सम्यक जैन ने किया। आभार महासचिव जीवन चौहान ने माना।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की ज़रूरतः अनावश्यक कागज़ी कार्यवाही से परेशान शिक्षक-अंसारी

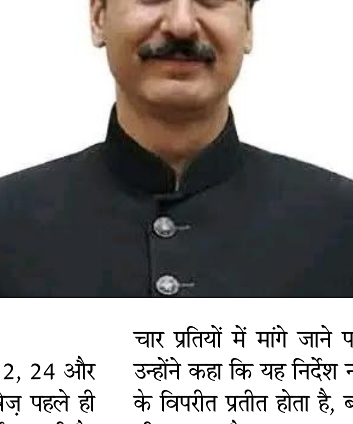

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षाविद एवं प्रगतिशील लेखक असअद अंसारी ने मंदसौर शिक्षा विभाग में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। कहा है कि विभागीय कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और व्यावहारिकता का स्पष्ट अभाव दिखाई देता है। उन्होंने बताया कि राज्य शासन द्वारा सहायक शिक्षकों की 35 वर्ष की क्रमोन्नति के आदेश जारी होने के बाद ज़िला शिक्षा अधिकारी ने संकुल प्राचार्यों से निर्धारित प्रारूप में जानकारी मांगी है। किन्तु इस प्रक्रिया में एकरूपता नहीं है—कहीं तीन प्रतियां मांगी जा रही हैं तो कहीं चार। इतना ही नहीं, शिक्षकों से फाइल कवर सहित सभी दस्तावेज़ पुनः प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

अंसारी ने प्रश्न उठाया कि जब शिक्षक 12, 24 और 30 वर्ष की क्रमोन्नति के समय आवश्यक दस्तावेज़ पहले ही प्रस्तुत कर चुके हैं, तो उनकी पुनरावृत्ति क्यों कराई जा रही है। यह न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि स्टेशनरी का अनावश्यक अपव्यय भी है। विडंबना यह है कि जहां कई कार्यालयों में सामान्य आवेदन के लिए कागज़ तक उपलब्ध नहीं होता, वहीं कुछ स्थानों पर लिपिकों द्वारा कागज़ के बंडल तक मंगवाए जा रहे हैं।

उन्होंने यह भी पूछा कि जब प्राचार्यों को स्टेशनरी हेतु बजट उपलब्ध है, तो ऐसी स्थिति क्यों बन रही है। इसे उन्होंने गंभीर प्रशासनिक प्रश्न बताया। धुंधड़का संकुल के प्रभारी प्राचार्य द्वारा 35 वर्ष की क्रमोन्नति संबंधी जानकारी चार प्रतियों में मांगे जाने पर अंसारी ने कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह निर्देश न केवल नियमों और व्यावहारिकता के विपरीत प्रतीत होता है, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता का भी उदाहरण है। जब समस्त अभिलेख डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं, तब इस प्रकार बार-बार कागज़ी प्रतियां मांगना शिक्षकों पर अनावश्यक बोझ डालना है। यह कार्यशैली कहीं न कहीं मनमानेपन और संसाधनों के दुरुपयोग की ओर संकेत करती है, जिसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। अंसारी ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस प्रकार के निर्देश उच्च स्तर से अनुमोदित नहीं हैं, तो यह और भी गंभीर विषय है, क्योंकि इससे विभागीय अनुशासन और जवाबदेही दोनों पर प्रश्नचिह्न खड़ा होता है। उन्होंने मांग की कि संबंधित प्राचार्य के आदेशों की जांच कर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की स्थिति की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ज़िला शिक्षा अधिकारी स्तर से जारी आदेशों में बार-बार लिपिकीय त्रुटियां सामने आती हैं, जिनके सुधार के लिए शिक्षकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अधिकांश शिक्षक इन विसंगतियों के खिलाफ आवाज़ उठाने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें प्रताड़ना का भय रहता है। अंसारी ने कहा कि एक ओर शीर्ष नेतृत्व द्वारा ÷न खाऊंगा, न खाने दूंगा÷ का संदेश दिया जाता है, वहीं जमीनी स्तर पर बिना लेन-देन के कार्यों का अटक जाना चिंताजनक है। अंत में उन्होंने ज़िला शिक्षा अधिकारी और ज़िला पंचायत सीईओ से मांग की कि वे इस मामले में गंभीरता से हस्तक्षेप करें, विभागीय विसंगतियों को दूर करने के लिए ठोस और पारदर्शी व्यवस्था लागू करें, ताकि शिक्षकों को अनावश्यक कागज़ी कार्यवाही और मानसिक उत्पीड़न से राहत मिल सके।

लाखों का कीमती सामान गायब, टीम लीडर के खिलाफ प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के काबरा पेट्रोल पम्प के पास प्राईवेट कंपनी इंस्टा कॉर्ट सर्विस का प्राईवेट ऑफिस है। यह कंपनी विभिन्न सामानों की डिलेवरी व प्रदाय का कार्य करती है। कंपनी में एक टीम लीडर यानी इंचार्ज के पद पर युवक की नियुक्ति की गई थी। जिस पर आरोप है कि उसने सामान को गायब कर कंपनी को नुकसान पहुंचाया है। इस तरह करीब 4 लाख 8 हजार रुपए की क्षति हुई है।

कंपनी के अधिकृत व्यक्ति के प्रतिवेदन आधार पर यशोधर्मन नगर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। यशोधर्मन नगर थाना पुलिस के अनुसार प्राप्त प्रतिवेदन अनुसार 4 सितंबर 25 से 30 दिसंबर 2025 तक के बीच हेराफेरी हुई। आरोपी नितेश पिता देवीलाल राठौर निवासी खानपुरा मंदसौर है, जिसने फरियादी के साथ अमानत में खयानत की है। इस मामले में पुलिस ने शासन पक्ष से यशोधर्मन नगर थाने के उपनिरीक्षक हेमंत शर्मा के माध्यम से प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी नितेश राठौर कंपनी में टीम लीडर के पद पर कार्यरत था। उसकी जवाबदेही थी। इस तरह लाफ्ता सामान से नुकसान हुआ है। कुल नुकसान 4 लाख 08 हजार के आसपास कंपनी को जब इस संबंध में पता चला तो मंदसौर आकर जांच भी की गई। पुलिस ने महेन्द्रसिंह पिता महिपालसिंह सिसौदिया के शिकायती पत्र के आधार पर प्रकरण दर्ज किया गया है।

सम्पादकीय

आंध्र प्रदेश में भाजपा की राजनीतिक उलझनः गठबंधन की मजबूरी और स्वतंत्र पहचान बनाने की चुनौती

आंध्र प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कई रास्ते नजर आ रहे हैं मगर चुनौती यह है कि वह किस ओर कदम बढ़ाए। राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में एक मुखर सहयोगी दल साबित हुआ है। मतदाता सूचियों की विशेष गहन समीक्षा (एसआईआर) की सोची-समझी एवं सतर्क आलोचना को छोड़कर तेलुगु देशम अन्य सभी मुद्दों पर अपनी सहयोगी भाजपा के साथ खड़ी दिखी है। यह आश्चर्य की बात नहीं है क्योंकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में उसके दो सदस्य हैं। नायडू ने संविधान के 131वें संशोधन विधेयक का जोरदार बचाव किया और इसे विफल करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की।

भाजपा के लिए नायडू का रुख अन्य सहयोगियों की तुलना में अधिक महत्त्वपूर्ण था क्योंकि आंध्र प्रदेश दक्षिण भारत का एकमात्र राज्य बनकर उभरा जिसने इस सोच को चुनौती दी कि परिसीमन से उत्तर भारतीय राज्यों की तुलना में दक्षिणी राज्यों को अधिक नुकसान होगा। मगर वह अकेले नहीं थे। राज्य में नायडू के कट्टर प्रतिद्वंद्वी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगन मोहन रेड्डी ने भी विधेयक पर विपक्ष पर हमला करते हुए भाजपा का समर्थन किया। रेड्डी ने तेलुगु देशम और नायडू को निशाना बनाया है मगर भाजपा पर हमले करने से परहेज करती रही है, खासकर 2024 के लोक सभा चुनाव के बाद से। ऐसा नहीं लगता कि उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में लंबित पड़े मामले ही उन्हें भाजपा की आलोचना करने से रोक रहे हैं।

दो सबसे शक्तिशाली राजनीतिक ताकतों के बीच भाजपा का समर्थन करने की मची? होड़ से भाजपा को एक ही समय में फायदे और नुकसान दोनों हो रहे हैं।

अपने तमाम प्रयासों के बावजूद आंध्र प्रदेश विधान सभा चुनावों में भाजपा का मत प्रतिशत एक अंक में ही रहा है। वर्ष 2014 में लोक सभा सीटों पर भाजपा का मत प्रतिशत 7.22 फीसदी था। वर्ष 2019 में यह घटकर लगभग 0.98 फीसदी हो गया।

वर्ष 2014 के विधान सभा चुनाव में यह 4.13 फीसदी था और वर्ष 2019 में घट कर 0.84 फीसदी रह गया। पार्टी ने 2024 में सुधार किया और लोक सभा में 11.2 फीसदी मत प्राप्त किए मगर विधान सभा में उसका मत प्रतिशत 2.83 फीसदी पर ही रहा (वर्ष 1999 से ही राज्य में लोक सभा और विधान सभा चुनाव एक साथ हो रहे हैं)।

भाजपा को लगा कि समस्या कहीं न कहीं उसकी राज्य इकाई के नेतृत्व में है। पिछले साल एक रणनीतिक निर्णय के तहत उसने डी पुरंदेश्वरी की जगह पीवीएन माधव को राज्य भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया। पुरंदेश्वरी ने भाजपा राज्य अध्यक्ष के रूप में केवल दो साल काम किया मगर कई लोगों का मानना था कि वह पारिवारिक और जातिगत संबंधों से बंधी हुई थीं (उनकी बहिन का विवाह चंद्रबाबू नायडू से हुआ है)।

इसके उलट माधव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से ताल्लुक रखते थे और ओबीसी श्रेणी से हैं। वह अपने पूरे राजनीतिक जीवन में आरएसएस से जुड़े रहे। उनका काम तेलुगु देशम को नाराज किए बिना राज्य में भाजपा को मजबूत करना था ताकि 2029 में होने वाले विधान सभा चुनावों तक भाजपा की राज्य में अच्छी-खासी मौजूदगी हो जाए।

मगर यह कदम जोखिम भरा था। भाजपा वाईएसआर कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं कर सकती। जगन मोहन रेड्डी ईसाई धर्म से संबंध रखते हैं जो स्थिति को जटिल बना देती है। मगर भाजपा को उनसे रणनीतिक समर्थन लेने में कोई समस्या नहीं दिखती।

आंध्र प्रदेश में मुस्लिम आबादी 10 फीसदी है जो गुंटूर, कृष्णा, नेल्लोर जिलों और रायलसीमा के कुछ खास निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा की संभावनाओं को काफी हद तक प्रभावित कर सकती है।

नायडू इस बात से अच्छी तरह परिचित हैं और चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने मुसलमानों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि भाजपा के साथ गठबंधन करने से उनके हितों को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने गठबंधन के सत्ता में आने पर समुदाय के लिए कई कदम उठाने का वादा किया। इनमें हज सब्सिडी, मस्जिद रखरखाव के लिए हर महीने 5,000 रुपये और दुल्हन योजना शामिल हैं जिसके तहत मुस्लिम दुल्हनों को 1 लाख रुपये देने का वादा किया गया था। उन्होंने मुसलमानों के लिए 4 फीसदी आरक्षण (ओबीसी कोटा के भीतर) बरकरार रखने का भी संकल्प लिया।

भाजपा को यह बात पसंद नहीं आई मगर लेकिन वह कुछ कह नहीं सकी। पड़ोसी राज्य तेलंगाना में चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी ने एक भाषण में कहा था 'जब तक मोदी जीवित है तब तक मैं दलितों, आदिवासियों और ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमानों को नहीं देने दूंगा।' मगर आंध्र प्रदेश में ऐसा नहीं हुआ।

इसका नतीजा यह हुआ कि पार्टी को उन मुद्दों तक ही स्वयं को रोक कर रखना पड़ा जिन्हें लगभग सभी लोगों का समर्थन मिल रहा है। उदाहरण के लिए इस महीने की शुरुआत में अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भाजपा ने 'माना ऊरु-माना जेंडा' नाम से एक जनसंपर्क अभियान शुरू किया जिसका मूल उद्देश्य लोगों को राज्य के लिए केंद्र की पहल के बारे में बताना था। राज्य में भ्रष्टाचार, विशेष रूप से अमरावती के विकास में रियल एस्टेट सौदों से जुड़े भ्रष्टाचार के खिलाफ जगन मोहन रेड्डी मोर्चा संभाल रहे हैं।

भाजपा के कई नेताओं का मानना है कि किसी राज्य में सत्ताधारी गठबंधन का हिस्सा होना हमेशा पार्टी के लिए नुकसानदेह होता है चाहे ओडिशा में बीजू जनता दल के साथ गठबंधन हो या पंजाब में शिरोमणि अकाली दल के साथ।

स्थूल व सूक्ष्म शरीर के मध्य संतुलन का विज्ञान है भारतीय अध्यात्म

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी ने सहजयोग ध्यान पद्धति की प्रतिस्थापना 1970 में की । कुछ साधकों के साथ प्रारंभ हुई सहजयोग की यह यात्रा आज विश्व के तकरीबन 140 देशों में सत्य के साधकों का मार्ग प्रशस्त कर रही है। सहजयोग सनातन संस्कृति पर आधारित है व विश्व के सभी संप्रदायों के मूलभूत सिद्धांतों को यह स्वयं में संजोए हुए है। प्रश्न उठता है सहजयोग क्या है? सहजयोग श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रति- स्थापित एक सहज ध्यान पद्धति है जिसमें कुण्डलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति होती है। तत्पश्चात् नियमित ध्यान-धारणा द्वारा मानव शरीर में स्थित चक्रों व नाड़ियों को संतुलन प्राप्त होता है। यही संतुलन हमें अन्तर्परिवर्तन की ओर अग्रसर करता है। शनै- शनै- बिना किसी बाहरी दवाब व प्रेरणा के हमारे विचारों, जीवन मूल्यों, में परिवर्तन आने लगता है, सही व गलत स्वयं ही सहज में हमारे समक्ष प्रकट होने लगता है जैसे - जैसे हम सहजयोग में दृढ़ होते जाते हैं प्रेम व आनन्द के मायने बदलते जाते हैं। माया जो कि जीवन में अभाव का दूसरा नाम है हमें प्रभावित नहीं कर पाती। आत्मा का ज्ञान ज्यों ही हमारी मध्यनाड़ी तंत्र को प्रकाशित करता है व हमारी शाश्वत शक्ति कुण्डलिनी ब्रह्मरंध्र का भेदन करती है, तो हमारा संबंध चैतन्य के रूप में प्रवाहित परमपिता की ऊर्जा से हो जाता है। अतः सहजयोग किसी प्रकार का खेल या बुद्धिमत्ता का प्रतिपादन नहीं है। यह हमारी अन्तर्निहित शक्तियों व ऊर्जा की जागृति तथा स्थूल व सूक्ष्म शरीर के मध्य संतुलन का विज्ञान है। सहजयोग आत्मा के परमात्मा से लय होने की प्रक्रिया है। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति इस प्रक्रिया का सह उत्पाद है।

आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने की कोई आयु नहीं होती और न ही इसमें सांसारिक जीवन का त्याग होता है । यदि सहजयोग का परिचय बालपन में ही दिया जाए बच्चों का चहुँमुखी विकास सहज ही में हो जाता है। वे एकाग्रता, अनुशासन त तीव्र स्मरणशक्ति व शैक्षणिक व व्यवसायिक सफलता को सहज में ही प्राप्त करने योग्य बन जाते हैं। किसी भी परिस्थिति में अनैतिकता उन्हें छू भी नहीं पाती।

संविधान की परछाई में सत्ता का खेल – राज्यसभा की नई सियासी चाल

राजनीतिक शतरंज की बिसात पर 24 अप्रैल 2026 की यह चाल सामान्य हलचल नहीं, बल्कि सत्ता और संविधान के समीकरण बदलने वाला निर्णायक प्रहार है। सात राज्यसभा सांसदों–राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक कुमार मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी–का भाजपा में विलय केवल दल-बदल नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे की सीमाओं को उजागर करने वाला संकेत है। संविधान की दसवीं अनुसूची के पैरा 4 के तहत दो-तिहाई बहुमत से इसे कानूनी वैधता मिली, हालांकि राज्यसभा सभापति की औपचारिक स्वीकृति अभी शेष है। इसके बावजूद इस कदम की रणनीतिक पृष्ठभूमि ने भारतीय राजनीति को ऐसे मोड़ पर पहुंचा दिया है, जहां नियमों के भीतर रहकर भी सत्ता संतुलन बदलता दिख रहा है।

जब संवैधानिक प्रावधान रणनीति का हिस्सा बन जाते हैं, तो कानून केवल नियम नहीं रह जाता, बल्कि सत्ता का उपकरण बन जाता है–और यह इस घटनाक्रम में स्पष्ट दिखा है। आप के दस राज्यसभा सांसदों में से सात का एक साथ अलग होना केवल संगठनात्मक झटका नहीं, बल्कि उसकी संसदीय पहचान पर गहरा आघात है। राज्यसभा में उसकी मौजूदगी घटकर तीन सदस्यों तक सिमट गई है। विलय की घोषणा में चार सांसद सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए, जबकि तीन–राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक कुमार मित्तल–ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। वहीं भाजपा का आंकड़ा 113 और एनडीए का 141 तक पहुँच गया है, जिससे स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष ने इस अवसर को अपने पक्ष में मोड़ लिया। परिणामस्वरूप, संसद में शक्ति संतुलन अब निर्णायक रूप से बदल चुका है।

सियासी नजरिए से यह घटनाक्रम एक ऐसी बारीक चाल लगता है, जहाँ नियमों की चौखट के भीतर रहकर ही विपक्ष की ताकत को प्रभावी ढंग से कमजोर कर दिया गया है–मानो 'ऑपरेशन लोटस' का सबसे सधा हुआ और कानूनी रूप सामने आया हो। राघव चड्ढा जैसे रणनीतिक चेहरों का अलग होना आप की आंतरिक संरचना को भीतर तक झकझोर देता है। यह केवल व्यक्तियों का जाना नहीं, बल्कि विचारधारा और नेतृत्व पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। केजरीवाल की राष्ट्रीय विस्तार की रणनीति इस झटके के बाद रक्षात्मक मोड़ में आ गई है। यह घटनाक्रम स्पष्ट करता है कि आज की राजनीति में संगठनात्मक मजबूती ही वास्तविक शक्ति है।

यह पूरा घटनाक्रम संघीय व्यवस्था की उस छिपी कमजोरी को सामने ले आता है, जहाँ किसी राज्य की राजनीतिक ताकत अंततः संसद में उसके प्रतिनिधित्व पर टिक जाती है। दिल्ली में 2025 के विधानसभा चुनाव हारकर सत्ता गंवा चुकी आप के लिए राज्यसभा ही वह आखिरी मंच था, जहाँ से वह अपनी आवाज प्रभावी ढंग से उठा सकती थी, लेकिन अब वह आधार भी लगभग हाथ से निकल गया है। नतीजतन, केंद्र और राज्यों के बीच शक्ति संतुलन और अधिक केंद्र की ओर झुकता साफ दिखाई देता है। यह हालात सिर्फ आप तक सीमित नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रीय दलों के लिए एक स्पष्ट संकेत हैं कि मजबूत संसदीय उपस्थिति के बिना राजनीतिक अस्तित्व धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाता है।

आदर्शों की बुनियाद पर खड़ा यह मोड़ अब गहरे अंतर्विरोधों को उजागर करता है, जहाँ सिद्धांत और सत्ता का टकराव साफ दिखाई देता है। आप की पहचान स्वच्छ राजनीति, पारदर्शिता और विकेंद्रीकरण जैसे मूल्यों पर टिकी रही, पर भाजपा में विलय के बाद यही आधार नए समीकरणों में फीके पड़ते नजर आते हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि आज की राजनीति में विचारधारा पीछे छूट रही है और सत्ता व अवसर आगे बढ़ रहे हैं। केजरीवाल के सामने अब चुनौती केवल संगठन बचाने की नहीं, बल्कि अपनी मूल पहचान को फिर से गढ़ने की है। यह संघर्ष आने वाले समय में और अधिक तीखा और निर्णायक रूप ले सकता है।

आगामी सियासी तस्वीर में यह घटनाक्रम INDIA गठबंधन के लिए एक तीखा चेतावनी-संदेश बनकर उभरा है, जो उसकी एकता और विश्वसनीयता पर सीधे प्रश्न खड़े करता है। किसी अहम घटक दल की ऐसी कमजोरी पूरे गठबंधन की पकड़ को ढीला कर देती है। पंजाब और दिल्ली जैसे राज्यों में पहले से कमजोर आधार के बीच यह झटका आप की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर गहरा प्रहार है। यदि समय रहते संगठनात्मक सुधार और रणनीतिक पुनर्गठन नहीं हुआ, तो यह गिरावट और तेज हो सकती है। दूसरी ओर, भाजपा के लिए यह मौका है कि वह अपने प्रभाव का दायरा और बढ़ाए, खासकर उन इलाकों में जहाँ विपक्ष पहले से बिखरा हुआ है।

आगामी चुनावी दौर, विशेषकर 2027 के राजनीतिक परिदृश्य में, यह बदलाव सत्ता के समीकरणों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। आप के सामने अब केवल नए नेतृत्व और चेहरों की खोज नहीं, बल्कि अपनी पूरी रणनीति को नए सिरे से गढ़ने की चुनौती है। केंद्र से सीधी टकराव की नीति की जगह राज्य स्तर पर गठबंधन और सहयोग की राजनीति अपनाना अधिक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है। यह समय आत्ममंथन का है, जहाँ पार्टी को अपनी कमजोरियों की पहचान कर उन्हें दूर करना होगा। वरना यह टूटन धीरे-धीरे एक स्थायी राजनीतिक पतन में बदल सकती है।

राजनीतिक इतिहास के इस निर्णायक मोड़ पर यह सात सांसदों का विलय केवल एक घटनाक्रम नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर है, जहाँ संख्या-बल और संवैधानिक प्रावधान मिलकर सत्ता की दिशा तय कर रहे हैं। राज्यसभा सभापति की स्वीकृति लंबित होने और चार सांसदों के सार्वजनिक रूप से सामने न आने के बावजूद यह स्थिति किसी एक दल की पराजय या दूसरे की विजय से कहीं आगे जाकर उस व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है जिसमें राजनीति लगातार नए रूप ले रही है। केजरीवाल सरकार के लिए अब समय सीमित है–या तो वह इस संकट को अवसर में बदलकर स्वयं को पुनर्गठित और पुनर्जीवित करे, या फिर धीरे-धीरे राजनीतिक परिदृश्य से हाशिए पर चली जाए। अंततः, भारतीय राजनीति का भविष्य इन्हीं निर्णायक क्षणों से आकार लेगा, जहाँ हर कदम आने वाले इतिहास की नींव रखेगा।

–प्रो. आरके जैन

मनुष्य स्वयं के कर्मों का श्रेष्ठ और सर्वोच्च निर्णायक होता है

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है।

महात्मा गांधी ने कहा था, आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक है उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहर नहीं, उसका अपना भ्रम, उसकी अपनी असत्यता होती है। जब हम स्वयं से झूठ बोलते हैं अपने दोषों को छिपाते हैं, अपनी कमियों को नजरअंदाज करते हैं तब हम अपने विकास के मार्ग को स्वयं ही अवरुद्ध कर देते हैं। भगवान बुद्ध ने कहा था, आप खुद ही अपने दीपक बनिए। इसका अर्थ यही है कि आत्मचिंतन और आत्मसत्य ही वह प्रकाश है, जो हमें सही दिशा दिखाता है। यदि हम अपने भीतर के अंधकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तो प्रकाश की खोज भी अधूरी रह जाएगी।

समाज में श्रेष्ठ और महान लोग वही बने हैं, जिन्होंने पहले स्वयं को जीता। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन इसका सजीव उदाहरण है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना केवल बाहरी परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, बल्कि उनकी आंतरिक अनुशासन, ईमानदारी और आत्मविश्वास का फल था। उन्होंने कहा था, सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। यह सपना तभी साकार होता है, जब हम अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का साहस रखते हैं। इसी तरह नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन में 27 वर्ष जेल में बिताए, परंतु उन्होंने अपने भीतर की नफरत को जीत लिया। उन्होंने कहा था, मैं कभी हारता नहीं, या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ।

–संजीव ठाकुर

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। ÷सर्वे भवन्तु सुखिनः÷ की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

–ललित गर्ग

पश्चिम एशिया संघर्ष और बहुध्रुवीय मौद्रिक व्यवस्था की संभावनाएं

पश्चिम एशिया में युद्ध ने न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है बल्कि इसने दुनिया के वित्तीय और मुद्रा बाजारों में भी महत्त्वपूर्ण बदलाव किए हैं। इसने एक ऐसे रुझान को बढ़ाया है जो पिछले कुछ वर्षों से स्पष्ट दिखाई देने लगा है और ऐसे संकेत दिख रहे हैं कि कुछ देश धीरे-धीरे अमेरिकी डॉलर के प्रति अपनी निर्भरता को कम कर रहे हैं।

इसका एक प्रमुख संकेतक, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद में की गई भारी वृद्धि है। वर्ष 2025 में इन बैंकों ने अपने भंडार में रिकॉर्ड 850 टन सोना जोड़ा। हालांकि यह वृद्धि हाल के दिनों में थोड़ी धीमी हुई है लेकिन यह जारी है। इसके परिणामस्वरूप, सोने की कीमतें लगभग 5,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई हैं जो ऐतिहासिक रूप से एक अभूतपूर्व स्तर है।

पिछले संकट और युद्धों के दौरान जब अमेरिका इनमें खुद शामिल था, उस वक्त अमेरिकी डॉलर और अमेरिका की सरकार द्वारा जारी बॉन्ड और प्रतिभूतियां एक सुरक्षित मुद्रा के रूप में काम करती थीं। लेकिन इस बार के युद्ध के दौरान ऐसा नहीं हुआ। अब अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर संदेह होने लगा है।

यदि अमेरिका अपनी ब्याज दरें बढ़ाता है ताकि अमेरिकी ऋण में निवेश आकर्षित किया जा सके तो इससे उसकी पहले से ही गंभीर हो चुकी वित्तीय स्थिति और भी बिगड़ सकती है। वर्तमान में अमेरिकी ऋण 36 लाख करोड़ डॉलर है और युद्ध के खर्च, नष्ट हुए हथियारों की दोबारा पूर्ति और रक्षा खर्चों में वृद्धि की संभावना इसके बोझ को और बढ़ाएगी, जबकि राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने बड़ी कर कटौती का वादा किया है।

फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर धारणा यह है कि इसकी सेहत अच्छी है क्योंकि इसके शेयर बाजार गहरे संकट के बावजूद लगातार वृद्धि कर रहे हैं। इसका मुख्य कारण आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े शेयरों में दिख रही हलचल है। अत्याधुनिक तकनीकी कंपनियों के शेयरों में बड़ी मात्रा में पूंजी निवेश किया जा रहा है जो लगातार बेहतर लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) तैयार करने की होड़ में लगी हुई हैं।

हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में इस निवेश को रिटर्न के जरिये न्यायोचित नहीं ठहराया जा सका है और अब यह संदेह बढ़ने लगा है कि भविष्य में भी यह निवेश किसी लाभ में परिवर्तित हो पाएगा या नहीं। कम से कम, एक बड़े स्तर पर संकट की स्थिति बनने या इन कंपनियों के एकीकरण की संभावना जताई जा रही है। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि यह कब होगा।

संभावना यह जताई जा रही है कि इसका बुलबुला फट सकता है जिसका पैमाना बेहद व्यापक होगा और जिसकी तीव्रता बहुत अधिक हो सकती है। कई अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यह एक वैश्विक वित्तीय और आर्थिक संकट की ओर ले जा सकता है जो वर्ष 2007-08 के संकट से कहीं अधिक गंभीर और लंबे समय तक चल सकता है। उस संकट के दौरान, अमेरिकी डॉलर ने अपनी सुरक्षित मुद्रा के दर्जे के कारण मजबूती दिखाई थी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं चाहे वे विकसित हों या विकासशील, सबने एक समन्वित और सहयोगात्मक प्रतिक्रिया दी थी ताकि वित्तीय संकट का समाधान निकाला जा सके। वर्ष 2008 का जी20 अब अस्तित्व में नहीं है और डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका इसके सदस्य देशों को अपनी अर्थव्यवस्था और मुद्रा को सहारा देने के लिए राजी करने में सक्षम नहीं होगा।

मैंने पहले के लेखों में शांघाई से संचालित होने वाले पेट्रो-युआन बाजार के उभार पर ध्यान आकर्षित कराया था। चीन ने दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश के रूप में अपनी स्थिति का लाभ उठाते हुए, तेल निर्यातकों को चीनी मुद्रा में निर्यात की कीमत तय करने के लिए प्रेरित किया है। जब 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा रूस के तेल निर्यात पर प्रतिबंध लगाए गए तब रूस ने शांघाई में तेल की कीमतों के सूचकांक के लिए पेट्रो-युआन बाजार का उपयोग शुरू किया और तेल से जुड़े लेनदेन युआन में निपटाए जाने लगे।

रूस एक प्रमुख तेल निर्यातक देश है इसलिए उसने शांघाई एक्सचेंज का उपयोग करके पेट्रो-युआन बाजार को और व्यापक बना दिया है। चीन में होने वाले सऊदी तेल निर्यात के एक छोटे हिस्से के लिए भी अब युआन में भुगतान किया जाता है। पश्चिम एशिया युद्ध के बीच, ईरान ने अपने तेल निर्यात के लिए युआन में भुगतान की मांग की है साथ ही होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर 'टोल' के लिए भी युआन में भुगतान करने की बात कही है जिसे अब वह नियंत्रित कर रहा है।

यह भी कहा जा रहा है कि ईरान अब भुगतान के रूप में स्टेबलकॉइन क्रिप्टोकरेंसी भी स्वीकार कर रहा है। यह संभवतः पहली बार हो सकता है जब कोई देश डॉलर को नकारते हुए अन्य मुद्राओं का चुनाव कर रहा हो और यह मजबूरी के कारण नहीं हो रहा है बल्कि सोच समझकर हो रहा है।

ब्रिक्स-प्लस देशों का समूह (जिसमें मूल पांच देश ब्राजील, चीन, भारत, रूस और दक्षिण अफ्रीका और बाद में शामिल हुए देश जैसे ईरान, इंडोनेशिया, मिस्र, इथियोपिया और यूएई शामिल हैं) इस साल के अंत में भारत में एक शिखर सम्मेलन के लिए एकत्र होगा। इस बीच ब्राजील, चीन और रूस ने एक साझा ब्रिक्स मुद्रा को लेकर सक्रियता दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया है हालांकि भारत इसको लेकर सतर्कता बरत रहा है ताकि अमेरिका को नाराज न किया जाए। ट्रंप ने धमकी दी है कि यदि ब्रिक्स देश डॉलर-रहित व्यापार को तरजीह देने का कदम उठाते हैं तो उन पर 100 फीसदी आयात शुल्क लगाए जाएंगे।

निश्चित तौर पर परिस्थितियों में बदलाव के साथ, एक बहु-ध्रुवीय मुद्रा व्यवस्था अब अप्रत्याशित नहीं लगती। कई ब्रिक्स-प्लस सदस्य देशों द्वारा एक साझा मुद्रा की दिशा में अधिक सक्रियता से प्रयास किया जा सकता है। भारत को इस पहल में पीछे नहीं रहना चाहिए। इस बारे में एक गंभीर बहस होनी चाहिए कि भारत के हित में सबसे बेहतर क्या होगा। अमेरिका इसके लिए खुद जिम्मेदार है कि उसने डॉलर की अंतरराष्ट्रीय मुद्रा की स्थिति का उपयोग आर्थिक युद्ध के एक उपकरण के रूप में किया है।

अमेरिका ने उन देशों को वैकल्पिक वित्तीय लेनदेन के रास्ते ढूंढ़ने के लिए प्रेरित किया है जिन्हें अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा। इनमें अनौपचारिक और रडार से बाहर नेटवर्क भी शामिल हैं। इंटरनेट-आधारित क्रिप्टोकरेंसी नेटवर्क का जन्म इस दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुआ है क्योंकि ये नेटवर्क गुमनाम और प्रभावी होते हैं और इन्हें नियंत्रित करना लगभग असंभव है। क्रिप्टो वॉलेट को विशेष लेनदेन के लिए बनाया जा सकता है और फिर इनका उपयोग खत्म होने पर हटा दिया जाता है।

चीन के अर्थशास्त्रियों ने एक बार फिर तीनध्रुवीय मुद्रा प्रणाली की भविष्यवाणी की है जिसमें अमेरिकी डॉलर का पश्चिमी गोलार्ध में दबदबा होगा जबकि यूरो का यूरोप में और युआन का एशिया में। हालांकि, यह कोई अपरिहार्य स्थिति नहीं है। युआन का व्यापार निपटान मुद्रा के रूप में उपयोग बढ़ेगा क्योंकि चीन दुनिया की सबसे बड़ी व्यापारिक शक्ति के रूप में अपने दबदबे को बनाए रखेगा।

लेकिन दो मुख्य कारणों से युआन को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में पूरी तरह से प्रचलित करने में कुछ बाधाएं आएंगी। पहला, राजनीतिक कारणों से, चीन अपनी मुद्रा की संभावित अस्थिरता को सहन नहीं कर सकता, जिसका मूल्य बाजार की ताकतों द्वारा निर्धारित हो। यदि युआन को पूरी तरह से परिवर्तनीय नहीं बनाया जाता तो इसकी भूमिका स्पष्ट रूप से सीमित रहेगी। दूसरा, एक विनिर्माण महाशक्ति बने रहने के चीन के दृढ़ संकल्प के कारण उसके सकल घरेलू उत्पाद में उपभोग का हिस्सा कम हो जाता है, और उसके बाहरी खाते में लगातार अधिशेष का होना अपरिहार्य हो जाता है।

–धनंजय राजौरा

पीपलरावाँ में करोड़ों के अधूरे विकास कार्यो का विधायक सोनकर से करवा दिया लोकार्पण

नगर में चर्चा का विषय बनी परिषद की कार्यशैली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को नगर परिषद द्वारा इतवारिया बाजार में विकास कार्यों के भूमि पूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक राजेश सोनकर उपस्थित रहे। हालांकि, यह कार्यक्रम विकास से ज्यादा परिषद की लापरवाही और अधूरे कार्यों की पेंटिंग-पॉलिश को लेकर सुर्खियों में आ गया है।

आरोप लग रहे हैं कि नगर परिषद ने विधायक सोनकर को अंधेरे में रखकर उन कार्यों का लोकार्पण करवा दिया, जो धरातल पर अब तक अधूरे हैं। लगभग 3.82 करोड़ रुपये की लागत वाले इन कार्यों की गुणवत्ता और पूर्णता को लेकर नगरवासियों में भारी आक्रोश है।

लोकार्पण की पोल खोलतीं जमीनी हकीकतें- चिंतामन गणेश मंदिर पार्क- यहाँ पार्क निर्माण के नाम पर केवल पाथ-वे और कुछ झूले ही नजर आ रहे हैं। स्वीकृत कार्य के अनुसार न तो यहाँ ट्यूबवेल खोदा गया और न ही मोटर पंप लगाया गया है। सौंदर्यीकरण और सफाई के नाम पर भी यहाँ कोई काम नहीं हुआ है।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की बदहाली- बस स्टैंड पर नवनिर्मित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की स्थिति और भी खराब है। पुताई और सफाई के अभाव में लोगों ने इसे %मूत्रालय% बना दिया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, रात के समय यहाँ शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है।

सार्वजनिक कुआं (वार्ड 13)- कुएं के जीर्णोद्धार के नाम पर खानापूर्ति की गई है। केवल एक सुरक्षा जाली और कुछ टाइल्स लगाकर कार्य को पूर्ण घोषित कर दिया गया, जो भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

उखड़ती सड़कें- मुख्यमंत्री अधोसंरचना के अंतर्गत वार्डों में जो सीसी रोड बनाई गई थीं, वे लोकार्पण का फीता कटने से पहले ही उखड़ना शुरू हो गई हैं।

परिषद की कार्यशैली पर सवाल- हैरानी की बात यह है कि कार्यों की गुणवत्ता और पूर्णता संदिग्ध होने के बावजूद, परिषद द्वारा इनमें से कई कार्यों का भुगतान कर दिया गया है।

जब काम पूरा ही नहीं हुआ और जो हुआ वह भी घटिया स्तर का है, तो भुगतान कैसे कर दिया गया यह सीधे तौर पर जनता के पैसे का दुरुपयोग है।

स्थानीय नागरिको का कहना है कि - विधायक के मुख्य आतिथ्य में हुए इस आयोजन ने विकास के दावों की पोल खोल दी है। अब देखना यह होगा कि क्या प्रशासन इन अधूरे कार्यों और भुगतान की अनियमितताओं पर कोई संज्ञान लेता है या नहीं।

चलित प्रयोगशाला दल ने 3 दिनों में लिए 64 नमूने, - नमूने भेजे प्रयोगशाल, अमानक पाए जाने पर होगी कार्यवाही

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना के निर्देश तथा अभिहित अधिकारी के मार्गदर्शन मे खाद्य सुरक्षा दल की औचक निरीक्षण कार्यवाही में 22 से 24 अप्रैल 2026 के 3 दिवसीय एफएसडब्ल्यू के जिले में भ्रमण के दौरान 4 तहसील के 12 दुकानों का निरीक्षण कर 64 सैंपल की मौके पर ही चलित राज्य खाद्य प्रयोगशाला से जांच की गई, जिसमें से 9 सैंपल फेल पाए गए। जिनके नियम अनुसार 6 लीगल एवं 6 निगरानी सैंपल लेकर विस्तृत जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमके वर्मा ने बताया कि इस दौरान 2 स्थानों कालापीपल तहसील के बकायान मार्केट एवं जिला चिकित्सालय शाजापुर पर जन जागरूकता के लिए अवेयरनेस कैंप कर जनसमुदाय को खाद्य सामग्री के दैनिक उपभोग के दौरान बरते जाने वाली सावधानी तथा मिलावट की जांच के घरेलू व्यवहारिक टिप्स भी दिए गए। साथ ही मोटे अनाज, श्री अन्न, फोर्टीफाइड, ट्रेडिशनल तथा सीज़नल फूड को बढ़ावा देने तथा फास्ट फूड, हाई फैट, साल्ट, शुगर वाले शीतल पेय, कोल्डड्रिंक्स, तम्बाकू उत्पादों से दूर रहने तथा नमक, तेल एवं चीनी के सीमित या कम मात्रा में सेवन करने की सलाह दी गई। व्यक्तिगत स्वच्छता, किचन की सफाई ढक्कन युक्त डस्टबिन के उपयोग की अनिवार्यता, तथा सही बर्तन पात्र में खाना पकाने बनाने एवं रखने का महत्व बताया गया। इस दौरान नेशनल दुग्ध डेयरी बकायान तहसील काला पीपल से मिश्रित दूध, श्री राम मिष्ठान भंडार शुजालपुर से चॉकलेट बर्फी, कृष्ण डेयरी शुजालपुर से क्रीम, बीकानेर मिष्ठान भंडार मोमन बड़ोदिया से मिल्क केक, लस्सी, स्टिंग एनर्जी ड्रिंक, ब्रेवो फ्रूट ड्रिंक, रामदेव रेस्टोरेंट से मिठाई, बेसन, राठौर नलखेड़ा की आइसक्रीम सप्लायर वैन शीतल एवं बडालिया आईसक्रीम तथा जैन भोजनालय से बेसन के सैंपल लिए गए है।

लघु उद्योग भारती ने मनाई संगठन की 32वी वर्षगांठ

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लघु उद्योग भारती की स्थानीय इकाई द्वारा शनिवार को संगठन की 32वी वर्षगांठ मनाई गई। इस अवसर पर अतिथियों व पदाधिकारियों ने संगठन के उद्देश्य व आगामी कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश तिवारी थे तथा अध्यक्षता किशोर प्रजापति ने की। विशेष अतिथि के रूप में गजेंद्रसिंह सिकरवार ने भगवान श्री विश्वकर्मा जीके चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती की स्थापना क्यों की गई। इसका क्या उद्देश्य क्या है इसे लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 32 वर्ष पूर्ण होने पर भारत के हर कोने में लघु उद्योग भारती, 60 हजार आजीवन सदस्यों के साथ संगठन व उद्योग हित, राष्ट्र हित, नारे के साथ देश भर के युवा साथियों के लिए नए नए उद्योग डालने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर ज्ञानसिंह गुर्जर, अशोक पांचाल, राकेश पाटीदार, नीरज प्रजापति, सुनील पंचाल, महेश पाटीदार, दीपक प्रजापति, घनश्याम पाटीदार, उत्तम राठौर आदि उपस्थित थे। संचालन सुभाष मंडलोई ने किया तथा आभार कीर्ति प्रकाश भावसार ने माना।

मानवीय संवेदनाओं की मिसालः डी बी सी पी एल अमलाहा टोल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डी बी सी पी एल का अमलाहा टोल प्लाजा केवल एक मार्ग नहीं रहा, बल्कि सेवा, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी का एक जीवंत केंद्र बन गया। डीबीसीपीएल (वर्टिस फाउंडेशन) की सीएसआर प्रबंधन टीम द्वारा प्रोजेक्ट निरामय (मेडिकल मोबाइल यूनिट) के माध्यम से यहां से गुजरने वाले बाइकर्स एवं अन्य वाहन चालकों के लिए एक हृदयस्पर्शी पहल की गई।

चिलचिलाती धूप में सफर कर रहे यात्रियों को न केवल प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की गईं, बल्कि उन्हें ग्लूकोज पिलाकर राहत भी दी गई। थके हुए चेहरों पर आई मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि यह पहल सिर्फ सेवा नहीं, बल्कि सच्ची मानवीय भावना का प्रतीक है। साथ ही, यात्रियों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए प्रेरित कर सुरक्षित यात्रा का संदेश भी दिया गया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन सी एस आर मैनेजर डी बी सी पी एल श्री उमा शंकर पाण्डेय के सहयोग एवं नेतृत्व में किया गया। साथ ही, डीबीसीपीएल सीएसआर प्रबंधन ने कॉरीडोर मैनेजर राजीव मिश्रा, पुलिस एवं प्रशासन के मार्गदर्शन में इस सामाजिक पहल को सुचारू रूप से संपन्न किया। सभी के सामूहिक प्रयासों ने इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।

यह पहल न केवल यात्रियों को तत्काल राहत देने में सफल रही, बल्कि उनके मन में सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना भी जागृत कर गई। आमजन के बीच कंपनी के प्रति विश्वास, सम्मान और अपनत्व का भाव और अधिक मजबूत हुआ। यह आयोजन यह संदेश देता है कि जब संस्थाएं अपने सामाजिक दायित्वों को दिल से निभाती हैं, तो वे केवल सेवाएं नहीं देतीं, बल्कि लोगों के दिलों में एक स्थायी स्थान बना लेती हैं। डी बी सी पी एल का प्रोजेक्ट निरामय के माध्यम से यह पहल वास्तव में मानवता की सच्ची पहचान है।

वाहन रैली निकालकर समाजजनों को दिया आमंत्रण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह अंतर्गत सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा नगर में वाहन रैली निकाली गई। रैली में मातृ शक्ति, युवा और वरिष्ठजनों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। रविवार को ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान श्री परशुराम प्रकटोत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई।

शोभायात्रा मां राजराजेश्वरी मंदिर एबी रोड से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर संपन्न होगी। समाज के मीडिया प्रभारी मोहित व्यास ने बताया कि वाहन रैली एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर टंकी चौराहा, महूपुरा, किलारोड़, आज़ाद चौक, नई सडक़, बसस्टैंड, ट्रैफिक पाइंट से एबी रोड़ से भगवान श्री परशुराम मंदिर दुपाड़ा रोड़ पर संपन्न हुई। रैली चामुंडा टेकरी स्थित भगवान श्री परशुराम मंदिर पहुंची। जहां समाजजनों द्वारा भगवान श्री परशुराम जी की महाआरती की गई। सर्व ब्राह्मण समाज अध्यक्ष दिलीप शर्मा, युवा इकाई अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा ने समाजजनों से शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। रविवार को भगवान श्री परशुराम जी की धूमधाम से शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा शाम पांच बजे मां राजराजेश्वरी मंदिर से प्रारंभ होकर फब्बारा चौक, टेंशन चौराहा, काछीबाड़ा, मगरिया, सोमवारिया, कंस चौराहा, बालवीर हनुमान मंदिर, वजीरपुरा, धानमंडी, किलारोड, छोटा चौक, आजाद चौक, नईसड़क, बस स्टैंड होकर मां राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचकर समापन होगा।

संतुलन बिगड़ने से खाई में गिरा ट्रक, दो घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पोलायकलां मंडी से प्याज लेकर ओडिशा जा रहा एक ट्रक असंतुलित होकर खाई में जा गिरा। इस हादसे में दो लोग घायल हो गए, जिन्हें पहले पोलायकलां के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद दोनो को शाजापुर जिला अस्पताल रैफर किया गया।

जानकारी के अनुसार घटना नेवज खेड़ी के पास हुई। जब चालक वाहन से संतुलन खो बैठा और ट्रक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। इस हादसे में मनोज पिता मांगीलाल निवासी शाजापुर व खुजनेर निवासी सुनील पिता कन्हैयालाल घायल हो गए। जिन्हें 112 पायलेट ओमप्रकाश व लखनलाल ने मौके पर पहुंचकर उन्हें पोलायकला के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा में परीक्षा केंद्रों पर होगी त्रिस्तरीय जांच

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा वर्ष-2026 जिले के 07 परीक्षा केंद्रों पर 26 अप्रैल को प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं दोपहर 02:15 बजे से शाम 04:15 बजे तक दो सत्रों आयोजित की जाएगी। लोक सेवा आयोग के निर्देशानुसार राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश के दौरान त्रिस्तरीय नवीन जाँच प्रक्रिया (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्रवेश पत्र की स्कैनिंग, एचएचएमडी के माध्यम से तलाशी) प्रारंभ की गई है। इसके अंतर्गत परीक्षार्थियों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों को अनिवार्य रूप से 90 मिनट पहले पहुँचना होगा। परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों की त्रिस्तरीय जांच की जाएगी। परीक्षा केन्द्र के प्रवेश द्वार के समीप अनुमत एवं वर्जित वस्तुओं की जानकारी चस्पा होगी, जिसका पूर्णतः पालन करना होगा। परीक्षार्थियों की HHMD के माध्यम से दोनों सत्रों में जांच की जाएगी, जिसमें पुरूष परीक्षार्थियों की जांच पुरुष वीक्षकों द्वारा एवं महिला परीक्षार्थियों की जांच महिला वीक्षक द्वारा की जाएगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के पास विकल्प होगा कि वह अपनी फ्रिस्किंग महिला अथवा पुरूष कर्मचारी से करा सकते हैं। परीक्षार्थियों की दोनों सत्रों में त्रिस्तरीय जांच की जाएगी, इसके बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा। परीक्षार्थी स्वयं के साथ केवल बॉल पेन एवं एक पानी की पारदर्शी बॉटल, ई-प्रवेश पत्र व आई.डी. कार्ड साथ में ला सकते है। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार परीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 15 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 07562-226856 है।

कलेक्टर ने राजोदा में गेहूं उपार्जन केंद्र का किया निरीक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 + बोनस 40 रूपये प्रति क्विंटल कुल 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से जिले में स्थापित 136 गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। शनिवार को कलेक्टर ऋतुराज सिंह द्वारा सेवा सहकारी समिति बैरागढ़ द्वारा संचालित गेहूं उपार्जन केन्द्र मातृशक्ति वेयरहाउस क्रमांक 01 राजोदा का निरीक्षण किया गया। मौके पर उपार्जित किये जा रहे गेहूं की गुणवत्ता एवं तौल की जा रही बोरियों के वजन की जांच की गई। मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा की गई। वैध स्लॉट अवधि वाले शेष रहे किसानों की तौल किये जाने के निर्देश समिति प्रबंधक को दिये गये। मौके पर उपस्थित समिति प्रबंधक को यह भी निर्देशित किया गया कि, किसानों से एफ.ए.क्यू. मानक का गेहूं उपार्जित किया जावे तथा 2250 क्विंटल प्रतिदिन गेहूं का उपार्जन किये जाने के संबंध में समस्त आवश्यक व्यवस्थायें यथा तौल कांटे, हम्मला तुलावटि आदि सुनिश्चित की जावे। उपार्जन केन्द्र पर व्यवस्थाओं के संबंध में पूछे जाने पर उपस्थित किसानों द्वारा बताया गया कि, उपार्जन केन्द्र पर पीने के पानी, बैठने के लिये छाव एवं शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में किसानों द्वारा संतुष्टि व्यक्त की गई। निरीक्षण के समय अपर कलेक्टर संजीव जैन, उपायुक्त सहकारिका सुश्री दीपाली खंडेलवाल, जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश अहिरवार एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। जिले में अब तक गेहूं उपार्जन हेतु कुल पंजीकृत किसान संख्या 77335 में से 37019 स्लॉट बुक किया गया है, जिनमें से 23147 किसानों द्वारा अपनी उपज गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर लाकर विक्रय की गई है। 23147 किसानों से कुल 983140 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। 25 अप्रैल शनिवार को 935 किसानों से लगभग 35000 क्विंटल गेहूं का उपार्जन किया गया। उपार्जित गेहूं की भुगतान योग्य राशि के विरूद्ध लगभग 150 करोड़ रूपये के ईपीओ प्राप्त हुये है, जिसमें से 102.70 करोड रूपये का सफल भुगतान किसानों के आधार लिंक खाते में किया जा चुका है। भुगतान की प्रक्रिया निरंतर जारी है। किसानों की सुविधा के लिए जिले में संचालित सभी उपार्जन केंद्रों पर प्रतिदिन 2250 क्विंटल गेहूं की खरीदी करने की व्यवस्था की गई है।

राज्य शासन द्वारा गेंहू उपार्जन के लिए किसानो के लिए स्लॉट अवधि 09 मई 2026 तक बढ़ा दी गई है , अब छोटे, मध्यम एवं बड़े सभी किसान स्लॉट बुक कर समर्थन मूल्य पर गेंहू विक्रय कर सकते है।

कार्रवाई थमते ही फिर सिमटने लगी सड़कें

एक सप्ताह से नहीं दिखी सख्ती, सड़को पर पसरने लगा अतिक्रमण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व, नपा और पुलिस की अतिक्रमण हटाने की संयुक्त कार्रवाई से शहर की सुंदरता दिखने लगी थी। सड़कें चौड़ी होती जा रही थी और जाम की समस्या से भी लोगों को राहत मिलने लगी थी, लेकिन पिछले एक सप्ताह से यह मुहिम थमी हुई है। नतीजन सड़कों पर फिर अतिक्रमण पसरने लगा है और सामान सड़कों पर आने से लोगों को फिर अधिकारियों की सख्ती याद आने लगी है।

लंबे समय से नगर में जाम की समस्या बनी हुई थी। सड़कों पर रखा दुकानों का सामान शहर की सुंदरता को दाग लगा रहा था और शहर के मुख्य मार्गों पर जाम की समस्या विकराल रूप ले रही थी। जिसके बाद एसडीएम के नेतृत्व में नपा, राजस्व और पुलिस ने अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई शुरू की और जिन लोगों ने सड़कों पर सामान रखा हुआ था उसे सख्ती से जब्त किया गया। वहीं कई लोगों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की। परिणाम यह हुआ कि शहर की सुंदरता दिखने लगी और सड़कें चौड़ी नजर आने लगी थी। व्यापारियों में अधिकारियों का खौफ भी नजर आने लगा था। लेकिन पिछले एक सप्ताह से एक भी अधिकारी सड़क पर नजर नहीं आया। परिणाम स्वरूप एक बार फिर शहर की सड़कें सिमटने लगी हैं और दुकानों का सामान सड़क पर पसरने लगा है।

महूपुरा रपट पर नहीं हुई कार्रवाई, परेशान हो रहे नगरवासी- शहर के अंदरूनी मार्गों पर तो अधिकारियों ने सख्ती दिखाई और सड़कें चौड़ी करने व अतिक्रमण हटाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन नगर के कुछ क्षेत्र ऐसे रहे जहां अधिकारियों की कार्रवाई न के बराबर हुई। महूपुरा रपट वाले क्षेत्र में अधिकारी केवल एक ही दिन नजर आए। इसके बाद वहां टीम नहीं पहुंची जिससे वहां के हालात आज भी जस के तस बने हुए हैं। इस क्षेत्र के रहवासी अधिकारियों का इंतजार ही करते रहे और कार्रवाई थम गई।

चौक बाजार में भी नहीं दिखा असर- नगर के आजाद चौक और छोटे चौक में भी कार्रवाई का असर नजर नहीं आया। यहां वाहनों की बेतरतीब पार्किंग आज भी लोगों की परेशानी बनी हुई है। यहां आए दिन पार्किंग व वाहन निकालने की बात को लेकर विवाद होते रहे हैं। यहां के रहवासी भी अधिकारियों की टीम का इंतजार कर रहे हैं कि अधिकारी यहां आकर यहां की व्यवस्थाओं को भी सुधारे।

इनका कहना है - किसी कारणवश कार्रवाई नहीं हो पा रही है, लेकिन इसे दोबारा शुरू किया जाएगा और नगर में अतिक्रमण नहीं फैलने दिया जाएगा। आगामी दिनों में फिर कार्रवाई शुरू की जाएगी।

- मनीषा वास्कले, एसडीएम-शाजापुर

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कालूखेड़ी तालाब पर किया श्रमदान, महापौर एवं सभापति ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 25 अप्रैल शनिवार को नगर निगम द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कालूखेड़ी तालाब पर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जल संचय की दिलाई शपथ- कार्यक्रम में महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, सभापति रवि जैन, विधायक प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, आयुक्त दलीप कुमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संजय दायमा, निगम उपायुक्त आरती खेड़ेकर, एसबीएम प्रभारी सौरभ त्रिपाठी, स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी, जनप्रतिनिधिगण, स्वच्छता टीम से विशाल जोशी, अरुण तोमर तथा आईईसी सदस्य उपस्थित रहे। सभापति रवि जैन ने महापौर के साथ सभी को जल संचय, पानी बचाओ तथा जलाशयों की सफाई के लिए शपथ दिलाई। इसके पश्चात तालाब पर सफाई अभियान चलाया गया।

अभियान निरंतर जारी रहेगा- इस दौरान महापौर ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कालूखेड़ी तालाब पर जनभागीदारी के साथ श्रमदान कर तालाब की सफाई की जा रही है। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। सभापति ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जलाशयों को सुरक्षित रखने के लिए सफाई के साथ साथ निगम द्वारा आमजनों में जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। वार्डो व आसपास के मोहल्लों में जन अभियान के साथ हम सब मिलकर कुएं, बावड़ी और जलाशयों की सफाई में श्रमदान देकर उसे स्वच्छ रखने के लिए सतत अभियानरत रहें।

आने वाली पीढ़ी के लिए जल संचय जरूरी- विधायक प्रतिनिधि श्री अग्रवाल ने कहा कि जल संचय एवं जल गंगा संवर्धन के लिए हम सब को आने वाली पीढ़ी के लिए जलाशयों में पानी का संचय करना है। पानी को व्यर्थ नहीं बहाना है तथा कुएं, बावड़ी, जलाशयों का पूरा ध्यान रखते हुए निरंतर सफाई करने के साथ हमारे घरों में वर्षा के पानी का रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर पानी संचय करना है। इससे हमारे जल स्त्रोत बढ़ेंगे तथा वर्षा का पानी पुनरू जमीन में जाने से ट्यूबवेल भी जीवित रहेंगे। साथ ही मोहल्ले एवं आस पड़ोस में स्वच्छता बनाए रखने के लिए संकल्पित रहना है।

जून तक चलेगा अभियान- निगम आयुक्त दलीप कुमार ने बताया कि यह अभियान मार्च में शुरू हुआ है जो जून तक चलेगा। अभियान के तहत कुएं, बावड़ी और तालाबों एवं जलाशयों की निरंतर जनसहयोग से श्रमदान कर सफाई की जा रही है। इस अभियान से आमजन को जोड़ना हमारा लक्ष्य है।

वार्ड पार्षद प्रतिनिधि श्री दायमा ने कहा कि जल संचय अभियान में कालूखेड़ी तालाब पर श्रमदान में हम सब ने संकल्प लिया है कि देवास शहर को स्वच्छ एवं सुंदर रखने के साथ ही हमारे शहर के कुएं, बावड़ियों को साफ कर उन्हें जीवित रखना है तथा स्वच्छता में सहभागिता देना है।

आग उगल रहा सूरज, तापमान 43 के पार

एक सप्ताह से भीषण गर्मी की मार झेल रहे नगरवासी, चिकित्सकों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अप्रैल माह में ही नगरवासी रिकार्ड तोड़ गर्मी का सामना कर रहे हैं और सूरज लगातार आग उगल रहा है। शनिवार को ही नगर का अधिकतम तापमान 43.3 दर्ज किया गया जो इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रहा। मौसम विभाग की माने तो अभी यह शुरूआत हैं। संभवतया इसी सप्ताह तापमान 45 या इससे अधिक दर्ज किया जा सकता है।

मार्च माह तक पश्चिमी विक्षोभ के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली हुई थी, लेकिन अप्रैल माह शुरू होते ही सूरज ने आग उगलना शुरू कर दिया। अप्रैल के शुरूआती सप्ताह में तापमान कम रहा लेकिन जैसे-जैसे दिन गुजरने लगे गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। हालात ये है कि पिछले दो सप्ताह से नगरवासी 40 से 41 डिग्री तापमान में दिन गुजार रहे हैं। शनिवार को तो गर्मी से लोगों के पसीने छूटने लगे। इस दिन तापमान 43.3 डिग्री दर्ज किया गया। तो रात का तापमान भी 23.2 डिग्री तक पहुंच गया जो आगामी दिनों में 25 या 27 डिग्री तक पहुंचने की संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही है।

दोपहर से हो रही दिन की शुरूआत- इन दिनों मौसम के हाल को देखते हुए कहा जा सकता है कि नगर में दिन की शुरूआत सुबह की बजाए दोपहर से हो रही है। सुबह से ही सूरज की तीखी किरणे असहनीय हो रही हैं। दिन में तो नगर में सन्नाटा पसरने लगा है। कुछेक लोग ही बाजार में नजर आ रहे हैं जो पूरी सुरक्षा के साथ घर से निकल रहे हैं। तो शाम को भी गर्मी का असर कम नहीं हो रहा है। शाम को भी गर्म हवाओं के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

47.2 को पार करेगा तापमान- इस वर्ष गर्मी के तेवर लगातार तीखे होते जा रहे हैं। जो अप्रैल माह में ही 43 डिग्री को पार कर चुके हैं। जबकि अभी मई माह और उस पर नवतपा बाकी है। यदि गर्मी के यही हाल रहे तो संभावना है कि इस वर्ष नगर के अधिकतम तापमान का रिकार्ड टूट जाए। नगर का अधिकतम तापमान 47.2 डिग्री है जो वर्ष 2016 में मई माह में इतना अधिक तापमान दर्ज किया गया था।

विधायक मुरली भंवरा ने अपने वेतन में राशि बालिका की शिक्षा के लिए दी

बालिका ने सेवा सदन बागली में जनता दरबार मे बताई थी अपनी समस्या

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बागली विधानसभा में विधायक मुरली भंवरा अपने निवास सेवा सदन में जनता दरबार लगाते हैं जिसमें आम जनता अपनी अलग अलग समस्या को लेकर पहुंचातीं है उसी क्रम में नगर कांटाफोड़ की वार्ड नं 3 की बालिका नेहा पिता प्रेम लडोलिया ने जनता दरबार में अपनी समस्या को बताया था कि उसके पापा पानी पतासे के ठेला लगाते हैं जिससे परिवार का खर्च चला पता है मेरी पढ़ाई के लिए राशि नहीं बचाने के कारण मुझे शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकती हूं आप सहयोग करेंगे तो मेरी शिक्षा आगे जारी रहा सकती है उसके बाद विधायक मुरली भंवरा ने बालिका की शिक्षा में लगाने वाली राशि अपने वेतन में से देने का निर्णय लिया था शनिवार को उन्होंने यहां राशि सरस्वती शिशु मंदिर कांटाफोड़ में नेहा के परिवार एवं प्रधान आचार्य को 25000 (पच्चीस हजार रूपए)नगद प्रदान की गई।

बालिका ने भावनात्मक संदेश जिससे सुनकर सभी आंखें हुई नर्म - इस दौरान विधायक मुरली भंवरा के लिए भावनात्मक संदेश सुनाया जिसमें उन्होंने बताया कि श्री माननीय विधायक जी आपके द्वारा दी गई राशि मेरे विद्यार्थी जीवन में मुझे पढ़ाई करने में मेरे सपनो को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान कर रही हैं मैंने आपके आर्शिवाद से प्रथम श्रेणी कक्षा 12 ह्लद्ध अंक प्राप्त किया हैं इसी आगे भी पढ़ाई में ऐसा ही सहयोग मिलता रहे ताकि मैं मेरे माता-पिता एवं परिवार का नाम रोशन करती रहूं।

मैं सोशल मीडिया के माध्यम से देखती हूं कि आप लगातार बागली विधानस?भा में शिक्षा के क्षेत्र में सौगातें दिला रहे हैं एवं आप मेरे जैसे विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से भी प्रत्यक्ष सहयोग कर रहे है जिससे बागली विधानसभा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम स्थापित करेगा। मेरे पूरे परिवार की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद

में स्वयं शिक्षक हूं विद्यार्थी जीवन की कठिनाइयों को बहुत करीब से देखा है- विधायक मुरली भंवरा ने बताया कि वहां स्वयं विधायक बनाने के पूर्व एक शिक्षक थे आज भी अपने आपको एक शिक्षक के रूप में ही देखता हूं बालिका ने जब जनता दरबार में समस्या बताई थी जब मैंने शिक्षक के रूप में यहां निर्णय लिया था कि एक विद्यार्थी की शिक्षा पैसे के के अभाव कारण नहीं रूकना चाहिए इसलिए मैंने यहां राशि अपने स्वयं के मानदेय से देने का निर्णय लिया ।

इस अवसर पर जिला सलाहकार समिति सदस्य प्रदीप डाबी, सरस्वती शिशु मंदिर प्रधानाचार्य, समिति कोषाध्यक्ष मनोज तिवारी, पार्षद प्रतिनिधि बलदाऊ दुबे पार्षद अनिरुद्ध शर्मा किसान नेता दीपचंद मीणा उपस्थित थे।

जैन धरोहर दिवस पर बदनावर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन समाज द्वारा रविवार को कुंद-कुंद सभागृह, दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः जैन धरोहर दिवस मनाया जाएगा। यह आयोजन श्रावक श्रेष्ठि स्व. श्री निर्मल कुमार जी सेठी की पुण्य स्मृति में देशभर में आयोजित किए जा रहे ऐतिहासिक धरोहर जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला का हिस्सा है।

भारत की प्राचीन धरोहर हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण आधार है। अनेक आक्रमणों और चुनौतियों के बावजूद भारत ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखा है, जो यहां के लोगों के अपनी परंपराओं के प्रति गहरे भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है। आज भी भारत की ऐतिहासिक एवं धार्मिक धरोहर विश्व में विशेष स्थान रखती है।

दिनांक 26 एवं 27 अप्रैल को स्व. श्रद्धेय निर्मल कुमार जी सेठी की पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में 5वां जैन धरोहर दिवस मनाया जा रहा है।

निर्ग्रन्थ सेंटर ऑफ आर्कियोलॉजी के पुरातत्व संयोजक एवं वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के श्री ओम पाटोदी ने बताया कि बदनावर (वर्द्धमानपुर) एक ऐतिहासिक नगरी है, जिसका पुरातात्विक महत्व अत्यंत समृद्ध है। हालांकि, जनसामान्य में बढ़ती उदासीनता के कारण इसे वह पहचान अभी तक नहीं मिल सकी, जिसकी यह हकदार है। देश में ऐसे अनेक ऐतिहासिक स्थल हैं जो आज भी उपेक्षा के कारण गुमनामी में हैं और संरक्षण की अपेक्षा रखते हैं।

स्थानीय कार्यक्रम संयोजक श्री राजेश मोदी एवं श्री पवन पाटोदी ने जानकारी दी कि भारत की श्रमण एवं वैदिक परंपराएं अत्यंत प्राचीन और समृद्ध हैं। समाज में धरोहरों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन आवश्यक हो गए हैं।

रविवार को आयोजित कार्यक्रम में धरोहरों की खोज, संरक्षण एवं संवर्धन पर विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही स्व. श्री निर्मल कुमार जी सेठी द्वारा अपने जीवन के 40-50 वर्षों में सैकड़ों धरोहरों के संरक्षण एवं प्रकाशन में दिए गए योगदान से समाजजनों को अवगत कराया जाएगा। समाज के सभी वर्गों से सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ अर्जित करने का आग्रह किया गया है।

किसान मोर्चा की कमान अब राहुल जाधव के हाथ, बुरहानपुर में भाजपा संगठन को मिलेगी नई मजबूती

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के बुरहानपुर जिलाध्यक्ष पद पर राहुल जाधव की नियुक्ति की गई है। इस नियुक्ति के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों का मानना है कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा को नई दिशा और गति मिलेगी।

जानकारी के अनुसार, राहुल जाधव लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते आ रहे हैं। क्षेत्र में किसानों से उनका सीधा जुड़ाव रहा है, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उनकी नियुक्ति को आगामी समय में संगठन विस्तार और किसान हितों को लेकर महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, पूर्व मंत्री एवं विधायक अर्चना चिटनिस तथा जिलाध्यक्ष मनोज माने के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सभी वरिष्ठ नेताओं ने नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई।

नियुक्ति की जानकारी मिलते ही जिलेभर में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हर्ष व्यक्त किया। देवेंद्र सिंह ठाकुर, अमित मिश्रा, अशफाक मलिक, कुलदीप गुप्ता, अतुल जाधव एवं सुमित बोरले सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में किसान मोर्चा किसानों की समस्याओं के समाधान और संगठन को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी कार्य करेगा।

बाबा साहब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है- केंद्रीय मंत्री ठाकुर

भाजपा द्वारा तिसगांव में अंबेडकर सम्मान संगोष्ठी की गई आयोजित

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती पखवाड़ा के तहत बदनावर विधानसभा क्षेत्र के गांव तीसगांव में भाजपा द्वारा डॉ आंबेडकर सम्मान संगोष्ठी शनिवार को आयोजित की गई। संगोष्ठी की मुख्य वक्ता केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर थे। भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने अध्यक्षता की। विशेष अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, डॉ भीमराव अंबेडकर संगोष्ठी जिला संयोजक विपिन राठौर व सह संयोजक राकेश चौहान व डॉ बलबहादुर सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष जैन, अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी प्रवीण चावला, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष पूनमचंद फकीरा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, भाजपा नेता चतरसिंह बिजुर, रेवसिंह भाबर, रितेश डावर, जितेंद्र मंडलोई, ग्राम पंचायत सरपंच सावित्री डावर, उप सरपंच दशरथ यादव अन्य मंडलो के अध्यक्ष मनीष गुर्जर, गोविंद रघुवंशी, दिलीपसिंह सोलंकी आदि मंचासीन थे। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ हुई।

केंद्रिय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब ने भारतीय संविधान के निर्माण के माध्यम से देश को एक सशक्त लोकतांत्रिक आधार प्रदान किया। सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों की जो नींव बाबा साहब ने रखी, वही आज भारत की लोकतांत्रिक मजबूती का आधार है। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान की प्रेरणा देता है। उनके विचार समाज को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने का मार्ग दिखाते हैं। बाबा साहब के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि बाबा साहेब भारतीय इतिहास के महान व्यक्तित्व, समाज सुधारक, न्यायविद और संविधान निर्माता थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन सामाजिक समानता, न्याय और मानवाधिकारों की स्थापना के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश का नाम रोशन किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने जाति प्रथा और अस्पृश्यता के खिलाफ सशक्त आवाज उठाई। उन्होंने दलितों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए कई आंदोलन चलाए। वे भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार थे, जिन्होंने सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित किया। जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेडा ने संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब के जीवन शैली व उनके सिद्धांत पर चलकर जनकल्याण का काम सभी को करना है। बाबा साहब ने सभी को समानता का अधिकार दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के मेधावी छात्र छात्राओं, दिव्यांगजनो व अन्य समाजजनों को भी शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राकेश चौहान ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गांववासी मौजूद थे। यह जानकारी भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा व जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

आयुष्मान कार्ड की तकनीकी समस्या दूर कर महिला मरीज को दिया गया नया जीवनदान

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रबंधन की संवेदनशीलता और तत्परता के कारण एक गंभीर महिला मरीज को समय पर उपचार मिल सका है। उमरी निवासी एक 34 वर्षीय महिला न्यूरोसर्जरी विभाग में भर्ती हुई थी, जिसकी स्थिति काफी गंभीर थी और उसे तत्काल इलाज की आवश्यकता थी। मरीज के पुराने आयुष्मान कार्ड में तकनीकी गड़बड़ी होने के कारण पोर्टल पर औपचारिकताएं पूरी नहीं हो पा रही थीं और आर्थिक तंगी के चलते परिवार निजी खर्च उठाने में असमर्थ था, जिससे इलाज में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था।जैसे ही यह मामला अस्पताल प्रबंधन के संज्ञान में आया, उन्होंने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत भोपाल स्थित आयुष्मान विंग से संपर्क किया और प्राथमिकता के आधार पर महिला का नवीन आयुष्मान कार्ड बनवाया। नया कार्ड बनते ही पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर मरीज की रुकी हुई जांचें और उपचार की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर दी गई। वर्तमान में महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में है और उसका उपचार पूर्णतः निःशुल्क किया जा रहा है ।

अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मरीज दस्तावेजों की कमी के कारण इलाज से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि जानकारी मिलते ही आयुष्मान टीम को त्वरित निर्देश दिए गए ताकि उपचार में देरी न हो। चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील अग्रवाल के सहयोग से यह अस्पताल निरंतर आयुष्मान मरीजों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है।वर्ष 2021 से 2025 तक यहाँ लगभग 26,714 आयुष्मान कार्ड धारी मरीजों का निःशुल्क इलाज किया जा चुका है। इस मानवीय पहल के लिए मरीज के परिजनों ने प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नागदा में रेल सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद, सकलेचा, नाहर एव जेन ने रखे उपयोगी सुझाव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के प्रमुख रेल मार्ग मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर स्थित नागदा जंक्शन क्षेत्रीय कनेक्टिविटी का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री, कर्मचारी और व्यापारी आवागमन करते हैं। यात्रियों का मानना है कि यदि कुछ नई ट्रेनों और सेवाओं का विस्तार किया जाए, तो सुविधा और भी बेहतर हो सकती है।

यात्रियों और समाजसेवियों के सुझाव- स्थानीय समाजसेवी राजेश सकलेचा, अनुज नाहर एव जीवनलाल जैन ने रेलवे प्रशासन को कुछ व्यवहारिक सुझाव दिए हैं, जिनसे यात्रियों को काफी राहत मिल सकती है: हिसार-कोटा ट्रेन को नागदा होते हुए उज्जैन तक बढ़ाने का प्रस्ताव, कोटा-नागदा मेला गाड़ी को रतलाम तक विस्तार, नागदा-इंदौर ट्रेन को रतलाम तक बढ़ाने की मांग, इंदौर-उज्जैन-नागदा-रतलाम-फतेहाबाद-इंदौर रूट पर दैनिक राउंड ट्रिप सेवा शुरू करने का सुझाव। इन सुझावों से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होने की संभावना है।

'दिन के समय सेवाओं में सुधार की गुंजाइश- सकलेचा, नाहर एव जैन का कहना है कि मुंबई और इंदौर रूट पर दिन के समय ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इससे विशेष रूप से गर्मी के मौसम और व्यस्त समय में यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी।

औद्योगिक विकास को मिलेगा बल- नागदा एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र है, जहां विभिन्न राज्यों से लोग रोजगार के लिए आना जाना लगा रहता हैं। बेहतर रेल सेवाएं न केवल यात्रियों के लिए लाभकारी होंगी, बल्कि उद्योगों की कार्यक्षमता और क्षेत्रीय विकास को भी गति देंगी।

सिंहस्थ महापर्व के मद्देनज़र अवसर- आगामी सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन एक अच्छा अवसर हो सकता है। इससे बड़ी संख्या में आने जाने वाले श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा सुविधा मिल सकेगी।

रेलवे से सकारात्मक पहल की उम्मीद- सकलेचा, नाहर एव जैन सहित स्थानीय लोगों ने विश्वास जताया है कि रेलवे प्रशासन इन सुझावों पर विचार कर क्षेत्र में रेल सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाएगा। नागदा जैसे महत्वपूर्ण जंक्शन पर सुविधाओं का विस्तार पूरे क्षेत्र के विकास में सहायक सिद्ध हो सकता है।

बुद्धि समृद्धि और शौर्य की त्रिवेणी नारी, घर संसार की खुशियां नारी शक्ति में निहित है

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उक्त विचार आज संदीपनी शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बदनावर में नारी शक्ति पखवाड़ा 25 अप्रैल के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती मीना शेखर यादव अध्यक्ष नगर परिषद बदनावर ने व्यक्त किए,विशेष अतिथि श्रीमती अनीता चौहान पार्षद नगर परिषद एवं मुख्य वक्ता डॉक्टर संतोष चौहान थे।

मध्य प्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग एवं कलेक्टर जिला धार जिला शिक्षा अधिकारी धार के निर्देशानुसार 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा मनाया गया जिसमें बालिकाओं के लिए विभिन्न गतिविधियां प्रतिदिन आयोजित की गई जिनमें प्रमुख रूप से नारी शक्ति पर व्याख्यान, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता रांगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता भी रखी गई थी, जिसका आज समापन समारोह अतिथियों के आतिथ्य में नारी शक्ति वंदना समारोह हुआ। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एव दीप प्रज्वलित किया । नारी शक्ति प्रेरणापुंज वीरांगना अमर शहीद रानी लक्ष्मीबाई और देश की प्रथम शिक्षिका समाज प्रेरक शक्ति सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण किया।

अतिथि का स्वागत विद्यालय की राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी कुमारी मधु सिर्वी कक्षा 11वीं, एक भारत स्वच्छ भारत प्रतियोगिता में नागालैंड यात्रा हेतु चयनित विद्यालय की छात्रा कुं नेहा डाबी, मेरिट के आधार पर गुजरात शैक्षणिक भ्रमण हेतु संस्था से चयनित छात्रा कुमारी हंसा पाटीदार एवं इस वर्ष कक्षा दसवीं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी स्वाति नाथावत ने पुष्प हारो से अतिथियों का स्वागत किया, विद्यालय के संस्था प्राचार्य,लेखापाल जगदीश सोलंकी,शिक्षक श्रीमती अनीता राठौर ,नरेंद्र चौहान श्रीमती आरती उपाध्याय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। पश्चात विद्यालय के प्राचार्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए नारी वंदन अभियान का उद्देश्य सभी के सामने रखा।

मुख्य वक्ता डॉक्टर संतोष चौहान ने अपने उद्बोधन में रानी लक्ष्मीबाई के स्वतंत्रता आंदोलन योगदान, अहिल्याबाई का समाज सुधार ,माननीय राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू के जीवन से प्रेरणा, सुषमा जी स्वराज, सावित्रीबाई फुले के संघर्ष की गाथा, सोफिया कुरैशी की बहादुरी, कल्पना चावला के वैज्ञानिक ज्ञान, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, सांसद सावित्री देवी ठाकुर आदि के संघर्ष,नारी उत्थान और उनसे जीवन से प्रेरणा के विभिन्न बिंदुओं को छात्राओं के सम्मुख रखा। अपने छात्राओं से आह्वान किया कि एक नारी को अपना आईकॉन बनाएं उनके जीवन की गाथा को पढ़े, उनके संघर्ष को याद करें और फिर आगे बढ़े, उनके प्रेरक उद्बोधन ने समां बांध दिया। विशेष अतिथि श्रीमती अनीता चौहान ने छात्राओं से कड़े परिश्रम के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए आह्वान किया कि आप सावित्रीबाई फुले से प्रेरणा ले उनके संघर्ष को याद करें। मुख्य अतिथि श्रीमती मीना शेखर यादव ने अपने प्रेरक उद्बोधन में भारतीय वीरांगनाओं के पुरातन काल से लेकर भारतीय संस्कृति में नारी के योगदान , त्याग , संघर्ष,सेवा और वात्सल्य की वंदना की गाथा पर चर्चा की। उनके प्रति आदर सम्मान को प्रकट किया ।अपने माता अहिल्याबाई , लक्ष्मीबाई, सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष से प्रेरणा लेने का आवाहन किया।

अतिथि द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पुरस्कार विजेता छात्राओं को पुष्प पहनाकर सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता प्रदीप पांडेय् ने किया एवं आभार उच्च माध्यमिक शिक्षक जुगल किशोर प्रजापत ने माना।

प्राइवेट स्कूलों की शिक्षा नीति की विफलता का प्रमाण है बढ़ता ट्यूशन कल्चर

बदनावर क्षेत्र में न खेल मैदान, न योग्य शिक्षक; केवल कागजों पर चल रही शिक्षा की दुकानें

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज शिक्षा के क्षेत्र में एक गहरा विरोधाभास देखने को मिल रहा है। एक तरफ प्राइवेट स्कूल अभिभावकों से मोटी फीस वसूल रहे हैं, तो दूसरी तरफ बच्चे स्कूल के बाद कोचिंग सेंटरों की ओर भागने को मजबूर हैं। यहाँ समझना जरूरी है कि दोष उन स्वतंत्र ट्यूशन पढ़ाने वालों का नहीं है, जिनके लिए यह उनके रोजगार का साधन है। असल दोष तो उन स्कूलों की दोषपूर्ण शिक्षा नीति का है, जो संसाधनों और योग्यता के अभाव में विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। हकीकत तो यह है कि बदनावर क्षेत्र के कई निजी स्कूलों में पढ़ाने के लिए अनुभवी और नियमानुसार डिग्रीधारी शिक्षक ही नहीं हैं। कई स्कूलों में तो महज औपचारिकता पूरी करने के लिए कम वेतन पर अकुशल लोगों से अध्यापन कार्य कराया जा रहा है। जब शिक्षक ही स्वयं उस विषय में पारंगत या योग्य नहीं होगा, तो वह विद्यार्थियों को क्या खाक पढ़ाएगा? यही कारण है कि कक्षा में समझ न आने पर बच्चों को बाहर ट्यूशन का सहारा लेना पड़ता है। प्रशासन को ऐसे स्कूलों पर नकेल कसना अनिवार्य है जो बिना योग्य स्टाफ के शिक्षण संस्थान चला रहे हैं।

बदनावर क्षेत्र में कई स्कूल ऐसे संचालित हो रहे हैं जिनके पास नियमानुसार न तो भवन है और न ही बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेल मैदान। शिक्षा विभाग के कड़े नियमों को ठेंगा दिखाते हुए ये स्कूल तंग गलियों और छोटे कमरों में चल रहे हैं। कागजों पर भव्यता दिखाने वाले इन स्कूलों की जमीनी हकीकत शून्य है। जब बुनियादी ढांचा और सही माहौल ही नहीं होगा, तो शिक्षा की गुणवत्ता कैसे सुधरेगी? एक आदर्श शिक्षा नीति वह है जिसमें स्कूल के भीतर ही हर बच्चे की समस्याओं का समाधान हो। स्कूलों को चाहिए कि वे अपने यहाँ पढ़ने वाले कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करें। यदि स्कूल परिसर के भीतर ही बच्चों को पर्याप्त समय दिया जाए, तो उन्हें बाहर ट्यूशन की आवश्यकता ही नहीं रहेगी। लेकिन स्कूल प्रबंधन केवल मुनाफे पर ध्यान दे रहे हैं, विद्यार्थियों के भविष्य पर नहीं। शिक्षा नीति में सुधार के लिए यह भी अनिवार्य है कि स्कूल अपने शिक्षकों को निजी कोचिंग क्लासेस चलाने से सख्ती से रोकें। जब शिक्षक का पूरा ध्यान स्कूल के बजाय अपनी कोचिंग पर होगा, तो वह क्लास में पूरी ईमानदारी से नहीं पढ़ा पाएगा। इससे शिक्षा का स्तर गिरना निश्चित है।

अब समय आ गया है कि शिक्षा विभाग और प्रशासन कुंभकर्णी नींद से जागे। बदनावर क्षेत्र के ऐसे स्कूलों की सघन जांच होनी चाहिए जिनके पास न मैदान है, न सही भवन और न ही डिग्रीधारी शिक्षक। इन शिक्षा की दुकानों पर नकेल कसना समाज के हित में बेहद आवश्यक है। प्राइवेट स्कूल आखिर किस बात की भारी-भरकम फीस ले रहे हैं? यदि बच्चा ट्यूशन के भरोसे ही है और स्कूल के पास न योग्य शिक्षक हैं न मैदान, तो फिर इन स्कूलों का क्या औचित्य? अभिभावक अब जागरूक हो रहे हैं और प्रशासन से इन विसंगतियों पर ठोस कार्यवाही की मांग कर रहे हैं।

नगरीय प्रशासन संभाग के कार्यपालन यंत्री ने किया बैकुंठपुर एवं सिरमौर का निरीक्षण

रीवा / दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग , रीवा संभाग के कार्यपालन यंत्री हरिशंकर मिश्रा ने रीवा जिले की नगर परिषद बैकुंठपुर एवं नगर परिषद सिरमौर का विस्तृत भ्रमण कर स्वच्छता और विकास कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।कार्यपालन यंत्री ने दोनों नगर परिषदों में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत निर्धारित गाइडलाइन के अनुसार किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता मानकों में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और शहर को रैंकिंग में ऊपर लाने के लिए जमीनी स्तर पर ठोस प्रयास किए जाएं।भ्रमण के दौरान श्री मिश्रा ने पेयजल व्यवस्था की गंभीरता से जांच की। जल प्रदाय योजना के तहत विभिन्न स्थलों से पानी के नमूने लिए गए और उनकी शुद्धता का परीक्षण किया गया।जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु वाटर बॉडी की सफाई, रैन वाटर हार्वेस्टिंग और पर्यावरण सुधार के कार्यों का भौतिक सत्यापन किया गया।आगामी मानसून को देखते हुए पौधारोपण हेतु खोदे गए गड्ढों और उनकी फेंसिंग का निरीक्षण कर कार्य को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान नगर परिषद की मुख्य नगरपालिका अधिकारी निधि सिंह, उपयंत्री पीयूष सिंह, जितेंद्र श्रीवास्तव, विक्रम सिंह, कमल मिश्रा सहित अन्य विभागीय कर्मचारी व स्वच्छता पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

क्षीर धारा योजनान्तर्गत ग्राम गड़वाडी में पशु बांझपन निवारण एवं पशुपालक जागरूकता शिविर आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षीर धारा योजनान्तर्गत चयनित ग्राम गड़वाडी, विकासखण्ड झाबुआ में आज पशु बांझपन निवारण एवं पशुपालक जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविर में 29 महिलाएं एवं 48 पुरुष सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान विभागों के अधिकारियों द्वारा पशुपालकों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाने हेतु उन्नत पशुपालन पद्धतियों, नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य, टीकाकरण एवं संतुलित पशु आहार के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक एवं जैविक खेती, बायोगैस, ई-टोकन खाद वितरण प्रणाली तथा गोबर अपशिष्ट प्रबंधन के विषय में भी जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित पशुपालकों को आवश्यक औषधियों का वितरण कर पशुओं का उपचार भी किया गया। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. ए.एस. दिवाकर, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग के उप संचालक श्री नगीनसिंह रावत, जिला पशु प्रजनन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. के.एल. डामोर, विकासखण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमेश भूरिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से श्री प्रकाश मेड़ा एवं श्री पवन परमार, ग्राम प्रस्फुटन समिति के सदस्य श्री पप्पू भूरिया एवं श्रीमती सुनिता डामोर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव श्री मल्लू भूरिया, रोजगार सहायक श्री दिलीप भाबोर, मोबिलाइजर श्री छगन भूरिया तथा ग्राम के तड़वी श्री तेरसिंह भूरिया सहित अनेक पशुपालक शिविर में शामिल हुए।

शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को वैज्ञानिक पशुपालन एवं कृषि तकनीकों की जानकारी देकर उनकी आय में वृद्धि के लिए प्रेरित किया गया।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा जिले में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के सुचारु एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु किए गए प्रबंधों के तहत हरेक परीक्षा केंद्र के लिए एक एक सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त करने का आदेश जारी कर दिया है। संयुक्त कलेक्टर व परीक्षा की जिला नोडल अधिकारी श्रीमती दीपा श्री काशवानी ने बताया है कि परीक्षा रविवार 26 अप्रैल को दो सत्रों में आयोजित होगी, जिसमें प्रथम सत्र प्रातः 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2ः15 बजे से 4ः15 बजे तक का समय निर्धारित है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा जारी आदेश का हवाला देते हुए श्रीमती काशवानी ने बताया है कि परीक्षा के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हरेक परीक्षा केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति की गई है। नियुक्त अधिकारियों को उनके निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर समय से उपस्थित रहकर सम्पूर्ण परीक्षा अवधि में व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

निर्धारित परीक्षा केंद्रों के लिए नियुक्त अधिकारी इस प्रकार हैं– शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, साँची रोड, विदिशा के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट तहसीलदार श्री अजय पाठक को और परीक्षा केंद्र शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल, बड़ा बाजार, विदिशा हेतु तहसीलदार श्रीमती निधि लोधी को तथा राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (लीड) महाविद्यालय, विदिशा के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार श्री ओम बघेल को दायित्व सौपे गए हैं। सभी नियुक्त कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर प्रातः 8ः00 बजे से उपस्थित रहेंगे तथा परीक्षा समाप्ति तक सतत निगरानी रखते हुए शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष आयोजन सुनिश्चित करेंगे।

इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया है कि संबंधित थाना क्षेत्रों के अधिकारी सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ समन्वय स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ रखें, ताकि परीक्षा निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सके।

हर जरुरतमंद को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन-जन की सेवा ही मध्यप्रदेश सरकार का मूलमंत्र है और इसे साकार करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को अपने रेसकोर्स रोड स्थित 38 नम्बर सरकारी कार्यालय पर आयोजित जनसुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना और उनका त्वरित निदान किया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि सरकार द्वारा आम जनों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर जरुरतमंद के चेहरे पर खुशहाली लाना प्रदेश सरकार का संकल्प है।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे, इसके लिए हर जिला, तहसील स्तर पर आम जनों को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि विकास का यह सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। शहर के प्रत्येक नागरिक को अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा मुहैया कराना ही शासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने आह्वान किया कि हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि अपने जीवन में स्वच्छता को अपनाएंगे और एक नया स्वस्थ, हरा-भरा, नशा मुक्त समाज बनाएंगे।

सीईओ जिला पंचायत झाबुआ द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ श्री जितेन्द्र सिंह चौहान द्वारा 24 अप्रैल को जनपद पंचायत रामा अंतर्गत ग्राम पंचायत माछलिया एवं हत्यादेली में संचालित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत माछलिया में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत प्रगतिरत अमृत सरोवर निर्माण कार्य का अवलोकन किया गया। कार्य में पिचिंग अधूरा पाए जाने पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित उपयंत्री एवं क्रियान्वयन एजेंसी को 08 दिवस के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत माछलिया में राज्य वित्त मद से स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में भवन का लाइट फिटिंग एवं फिनिशिंग कार्य अपूर्ण पाया गया, जिसे शीघ्र पूर्ण करने हेतु संबंधितों को निर्देशित किया गया।

इसके पश्चात ग्राम पंचायत हत्यादेली में आदर्श योजना मद से स्वीकृत पीडीएस भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। कार्य अपूर्ण पाए जाने पर संबंधित एजेंसी को 15 दिवस में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

साथ ही दोनों ग्राम पंचायतों में 5वें वित्त आयोग मद से स्वीकृत सीसी रोड निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण कर गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा की गई।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने के निर्देश देते हुए लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

ग्वालियर जिले में बिना अनुमति रैली-जुलूस इत्यादि पर रोक

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों, सामाजिक एवं राजनैतिक कार्यक्रमों के दौरान शांति, कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती रुचिका चौहान ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (पूर्व में धारा 144) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश के तहत ग्वालियर जिले की सीमा में किसी भी सार्वजनिक स्थल पर धरना, प्रदर्शन, रैली, जुलूस अथवा चल समारोह बिना सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के आयोजित नहीं किए जा सकेंगे।

एक अनुविभाग की सीमा में प्रस्तावित कार्यक्रमों के लिए संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) तथा एक से अधिक अनुविभागों में आयोजित कार्यक्रमों के लिए अपर जिला दण्डाधिकारी (एडीएम) से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सोशल मीडिया अथवा अन्य माध्यमों से किसी धर्म, जाति या संप्रदाय की भावनाओं को आहत करने वाली सामग्री का प्रसारण, भ्रामक अथवा अफवाहपूर्ण संदेशों का प्रसार तथा कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी। ऐसी गतिविधियों पर प्रशासन व पुलिस द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने बाजारों, मॉल, सार्वजनिक मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने, जन-जीवन को सुरक्षित रखने तथा लोक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 सहित अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विशेष परिस्थितियों में सक्षम प्राधिकारी द्वारा परीक्षण उपरांत आवश्यक छूट प्रदान की जा सकेगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे जारी निर्देशों का पालन करें तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग दें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बलराम तालाब हेतु स्थल चयन एवं ई-विकास उर्वरक वितरण प्रणाली पर प्रशिक्षण आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश भरसट के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र झाबुआ में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा जिला एवं समस्त विकासखण्डों के मैदानी अमले के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में शासन की प्राथमिकता जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बलराम तालाब के लिए उपयुक्त स्थल चयन हेतु ÷सीपरी सॉफ्टवेयर÷ के उपयोग एवं महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि श्री नगीनसिंह रावत ने उपस्थित अधिकारियों को सॉफ्टवेयर के उद्देश्य एवं उपयोगिता से अवगत कराया। इसके पश्चात श्री गोविंदसिंह चौहान, सब इंजीनियर (राणापुर) द्वारा सीपरी सॉफ्टवेयर के संचालन का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया तथा इससे संबंधित समस्याओं के समाधान की जानकारी भी प्रदान की गई।

इसके साथ ही आगामी खरीफ मौसम को दृष्टिगत रखते हुए किसानों को समय पर एवं सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा लागू की जा रही नवीन ई-विकास आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली पर भी प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु मैदानी अमले को प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, ताकि किसानों को उर्वरक प्राप्ति में किसी प्रकार की समस्या न हो और उनका त्वरित निराकरण किया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान आगामी खरीफ मौसम में किसान हितग्राही मूलक योजनाओं के अंतर्गत चयन प्रक्रिया को किसान पोर्टल 2.0 के माध्यम से संचालित करने की जानकारी भी उप संचालक कृषि द्वारा दी गई।

कार्यक्रम में जिला स्तर से सहायक संचालक कृषि श्री एच.एस. चौहान, श्री एस.एस. मौर्य, श्री एस.एस. रावत, अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री एल.एस. चारेल, उप परियोजना संचालक आत्मा श्री एम.एस. धार्वे सहित समस्त विकासखण्डों के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, भूमि सर्वेक्षण अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहा।

राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 26 अप्रैल को दो सत्रों में होगी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा रविवार 26 अप्रैल को दो सत्रों में होगी। इस परीक्षा के लिये ग्वालियर में 17 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इस परीक्षा में 6036 अभ्यर्थी सम्मिलित हो रहे हैं। रविवार 26 अप्रैल को परीक्षा का पहला सत्र प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दूसरा सत्र दोपहर 2.15 बजे से अपरान्ह 4.15 बजे तक होगा। इस बार सभी परीक्षा केन्द्र सीसीटीव्ही कैमरों की निगरानी में रहेंगे। ग्वालियर में राज्य लोक सेवा आयोग की इस परीक्षा को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिये कलेक्ट्रेट के कक्ष क्र.-113 में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका टेलीफोन नम्बर 0751-2446214 है। कलेक्ट्रेट के अधीक्षक श्री आई आर भगत (मोबा. 94251-35143) को कंट्रोल रूम का प्रभारी बनाया गया है। यह कंट्रोल रूम 26 अप्रैल को प्रातः 8 बजे से परीक्षा समाप्ति तक कार्यशील रहेगा। कलेक्ट्रेट में बनाए गए डिजिटल कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केन्द्रों की निगरानी सीसीटीव्ही कैमरों के माध्यम से की जायेगी। परीक्षा संबंधी कार्य व शिकायत के संबंध में कंट्रोल रूम में संपर्क किया जा सकेगा। ग्वालियर जिले में परीक्षा पर नजर रखने के लिये राज्य लोक सेवा आयोग की ओर से श्री के के शर्मा सेवानिवृत सदस्य लोक सेवा आयोग व विधि अधिकारी श्रीमती अनीता शुक्ला को पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। परीक्षा के नोडल अधिकारी का दायित्व संयुक्त कलेक्टर श्री विनोद सिंह को सौंपा गया है।

'नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा' समापन कार्यक्रम का आयोजन

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, विदिशा श्रीमती विनीता कांस्बा के मार्गदर्शन में आज अनुसूचित जाति कन्या महाविद्यालय छात्रावास, विदिशा में ÷नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा÷ अंतर्गत समापन सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रावास में निवासरत बालिकाओं को जीवन कौशल, उनके अधिकारों, सुरक्षा एवं शासन की विभिन्न सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा जेंडर समानता, आत्म-सुरक्षा, लैंगिक हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बालिकाओं को बताया गया कि महिला एवं पुरुष दोनों को समान अधिकार प्राप्त हैं और किसी भी प्रकार का भेदभाव या हिंसा अस्वीकार्य है।

आत्म-सुरक्षा के तहत बालिकाओं को कठिन परिस्थितियों में सजग रहने, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत संबंधित व्यक्तियों को देने तथा आवश्यकता पड़ने पर हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

लैंगिक हिंसा के विभिन्न रूपों - मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं साइबर पर प्रकाश डालते हुए शिकायत करने के अधिकार एवं प्रक्रिया की जानकारी दी गई। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर संवाद करते हुए तनाव एवं चिंता से निपटने के व्यावहारिक उपाय साझा किए गए।

अंत में बालिकाओं को महिला एवं बाल विकास विभाग के सौजन्य से दैनंदिनी (डायरी) वितरित की गई तथा इसके नियमित उपयोग हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा, संरक्षण अधिकारी श्री संतोष रघुवंशी, विषय विशेषज्ञ श्री अरविंद मिश्रा एवं छात्रावास अधीक्षक श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ का जिले में कराया जा रहा है भौतिक सत्यापन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्वालियर जिला प्रशासन द्वारा वेयर हाउसों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर शनिवार को अधिकारियों की टीम ने विभिन्न वेयर हाउसों का निरीक्षण कर उपार्जित गेहूँ की गुणवत्ता और मात्रा का भौतिक मिलान किया। सत्यापन के दौरान वेयर हाउसों में उपलब्ध गेहूँ की वास्तविक मात्रा का अभिलेखों में दर्ज विवरण से मिलान किया गया, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनियमितता की संभावना न रहे।

इस अभियान के अंतर्गत ग्राम गधोटा एवं पिछोर स्थित वेयर हाउसों सहित जिले के अन्य गोदामों का निरीक्षण किया गया। जिला प्रशासन की इस पहल का उद्देश्य किसानों द्वारा विक्रय किए गए गेहूँ के प्रत्येक दाने का सही रिकॉर्ड सुनिश्चित करना तथा उपार्जन एवं भंडारण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाए रखना है। भौतिक सत्यापन से उपार्जित गेहूँ की मात्रा और गुणवत्ता की पुष्टि होने के साथ-साथ व्यवस्था में जवाबदेही भी सुनिश्चित हो रही है।

अर्चना चिटनिस बोलीं-जन-भागीदारी से ही बनेगा स्वच्छ बुरहानपुर, 'जीरो वेस्ट सिटी' का लक्ष्य तय

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम बुरहानपुर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के अंतर्गत परमानंदजी गोविंदजीवाला ऑडिटोरियम में स्वच्छता संवाद एवं क्षमता वर्धन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) ने सहभागिता करते हुए शहर को 'जीरो वेस्ट सिटी' बनाने के लक्ष्य के साथ स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने के दिशा-निर्देश दिए।

कार्यक्रम में महापौर श्रीमती माधुरी पटेल, कलेक्टर हर्ष सिंह, स्वच्छ भारत मिशन के उपसंचालक श्री निलेश दुबे, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने, निगम अध्यक्ष श्रीमती अनीता अमर यादव, नगर निगमायुक्त संदीप श्रीवास्तव, पूर्व महापौर अतुल पटेल, स्वास्थ्य प्रभारी धनराज महाजन सहित जनप्रतिनिधि, पार्षदगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में सफाई मित्र एवं वॉलेंटियर्स उपस्थित रहे।

दो सत्रों में बना स्वच्छता का रोडमैप- कार्यशाला के प्रथम सत्र में जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों के साथ शहर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस रणनीति पर चर्चा की गई। इसमें घर-घर कचरा संग्रहण का 100 प्रतिशत कवरेज, गीले एवं सूखे कचरे का स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण, वार्ड स्तर पर निगरानी तंत्र को सुदृढ़ करने तथा सार्वजनिक स्थलों, बाजारों और प्रमुख मार्गों पर नियमित सफाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। ÷नो लिटरिंग जोन÷ विकसित करने और कचरा निस्तारण में कम्पोस्टिंग, रीसाइक्लिंग एवं पुनः उपयोग जैसी वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने पर भी सहमति बनी।

जन-आंदोलन बने स्वच्छता- कार्यशाला में इस बात पर विशेष बल दिया गया कि स्वच्छता को केवल प्रशासनिक दायरे तक सीमित न रखते हुए जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए। इसके लिए स्कूल-कॉलेजों, सामाजिक संगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

सफाई मित्रों का सशक्तिकरण- द्वितीय सत्र में सफाई मित्रों एवं नगर निगम कर्मचारियों के लिए क्षमता वर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें आधुनिक स्वच्छता तकनीकों, कार्य दक्षता, समय प्रबंधन एवं सुरक्षा मानकों पर प्रशिक्षण दिया गया। सफाई मित्रों को शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए उनके सम्मान, सुरक्षा एवं प्रोत्साहन को प्राथमिकता देने की बात कही गई।

वेस्ट मैनेजमेंट पर व्यावहारिक मार्गदर्शन

भोपाल से आए स्वच्छ भारत मिशन के विशेषज्ञों द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि कचरे का स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण (गीला एवं सूखा अलग करना) सबसे महत्वपूर्ण कदम है। गीले कचरे से खाद तैयार कर उसका उपयोग किया जा सकता है, जबकि सूखे कचरे को रीसायकल कर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। साथ ही सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी, पुनः उपयोग एवं पुनर्चक्रण पर जोर दिया गया।

÷स्वच्छता बने संस्कार÷-अर्चना चिटनिस

इस अवसर पर श्रीमती अर्चना चिटनिस ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संस्कार और जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि 'जीरो वेस्ट सिटी' का लक्ष्य तभी संभव है जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कचरे का पृथक्करण करे और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए। उन्होंने सफाई मित्रों को ÷स्वच्छता के अग्रिम पंक्ति के योद्धा÷ बताते हुए उनके योगदान की सराहना की और कहा कि उनके सम्मान, सुरक्षा एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर कार्य किया जाएगा।

महापौर श्रीमती माधुरी पटेल ने संबोधन में कहा कि बुरहानपुर को स्वच्छता में अग्रणी बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रत्येक वार्ड में नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध कचरा संग्रहण एवं नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। महापौर ने नागरिकों से अपील की कि वे गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण कर नगर निगम का सहयोग करें और स्वच्छता को अपनी आदत बनाएं।

कलेक्टर हर्ष सिंह ने कहा कि स्वच्छता केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण के मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाएं और स्वच्छता कार्यों में नवाचार को प्राथमिकता दें। साथ ही उन्होंने जन-जागरूकता अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने बुरहानपुर को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने का सामूहिक संकल्प लिया तथा नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सती गेट इलाके में रातभर चली शिफ्टिंग... आज से गरजेंगी जेसीबी मशीनें

सिंहस्थ की तैयारी में कंठाल से छत्री चौक तक चौड़ीकरण तेज, व्यापारियों को दो दिन में खाली करने का दिया था अल्टीमेट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर का सबसे व्यस्त और धड़कता व्यापारिक इलाका सती गेट इन दिनों अचानक बदले हुए रूप में नजर आ रहा है। जहां दिनभर भीड़ और जाम का दबाव रहता था, वहीं अब सन्नाटा पसरा है। वजह सड़क चौड़ीकरण के लिए प्रशासन की सख्ती और व्यापारियों द्वारा तेज़ी से की जा रही शिफ्टिंग।

शुक्रवार से शुरू हुआ सामान हटाने का सिलसिला शनिवार की पूरी रात बिना रुके चलता रहा। दुकानदारों ने वक्त की नजाकत को समझते हुए खुद ही मोर्चा संभाल लिया। शनिवार सुबह तक भी कई व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों से सामान समेटते दिखे। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि आज का दिन अंतिम है।

इसके बाद से सीधे तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू होगी।

प्रशासन की ओर से मुनादी कराकर पहले ही सूचना दी जा चुकी थी। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान व्यापारियों से सहयोग की अपील की थी, लेकिन मौके पर शिफ्टिंग में किसी तरह की प्रशासनिक मदद नहीं मिलने की चर्चा भी तेज रही। ऐसे में व्यापारी अपने स्तर पर ही मजदूर लगाकर सामान हटाने में जुटे रहे।

कंठाल चौराहा से छत्री चौक तक का यह इलाका पुराने उज्जैन का सबसे अहम व्यावसायिक केंद्र है। संकरी सड़क और भारी यातायात के कारण यहां दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। आने वाले सिंहस्थ मेले को देखते हुए प्रशासन इस मार्ग को चौड़ा कर रहा है ताकि लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम हो सके। चौड़ीकरण के चलते कंठाल से सती गेट होते हुए छत्री चौक जाने वाला मुख्य मार्ग फिलहाल बंद हो चुका है। वैकल्पिक रास्तों में भी निर्माण कार्य जारी होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अब छत्री चौक पहुंचने के लिए डाबरी पीठा, छोटा सराफा या महाकाल चौराहा होकर जाना पड़ रहा है। इधर प्रशासन का स्पष्ट संदेश था कि शनिवार रात तक दुकानें खाली करें, अन्यथा कार्रवाई तय है। रविवार से मशीनें मैदान में उतरी और चौड़ीकरण का काम शुरू हो गया। इसके एक दिन पहले सती गेट का सन्नाटा आने वाले बड़े बदलाव की आहट दे रहा है। जहां आज असुविधा है, वहीं कल सुगम यातायात की उम्मीद भी।

कलेक्टर श्री सिंह ने CSR के माध्यम से सिंहस्थ महापर्व 2028 में सहयोग के लिए उद्योगपतियों के साथ बैठक की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत ष्टस्क्र (कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी) के माध्यम से आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए स्थानीय उद्योगों के संचालक और प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक श्री प्रथम कौशिक, MPIDC के एक्सिक्यूटिव डायरेक्टर श्री राजेश राठौड़, GAIL India Limited सहित पीथमपुर, महू, नागदा, देवास, उज्जैन के स्थानीय इंडस्ट्रियल एरिया के प्रमुख उद्योगों के संचालक और प्रतिनिधि उपस्थित थे।

MPIDC द्वारा Power Point प्रेजेंटेशन के माध्यम से सिंहस्थ महापर्व की रूपरेखा और आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि सिंहस्थ 2028 के दौरान लगभग 30करोड़ श्रद्धालुओं के उज्जैन आने की संभावना है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम होगा, जो कॉर्पोरेट जगत के लिए अनूठा CSR अवसर प्रस्तुत करता है।

पहलों के जरिए न सिर्फ लाखों-करोड़ों श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि ब्रांड को अभूतपूर्व दृश्यता, CSR अनुपालन और दीर्घकालिक सामाजिक विरासत भी प्राप्त होगी।

जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल ने शनिवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. पटेल ने अस्पताल की विभिन्न सुविधाओं का विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने लिफ्टों की स्थिति देखकर बंद लिफ्टों को तत्काल चालू करने के निर्देश दिए।

सिवरेज लाइन के शेष कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मरीजों को ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने, बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अस्पताल में स्वच्छता बनाए रखने के लिए भी सख्त निर्देश जारी किए गए।

डॉ. पटेल ने सभी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं तथा उनके साथ मधुर एवं संवेदनशील व्यवहार रखा जाए। सभी कर्मचारी निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहें और किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही न बरतें।

इस दौरान प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का भी अवलोकन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने गर्भवती महिलाओं, विशेषकर हाई-रिस्क गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

आयोजित टीकाकरण सत्र का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को ड्यू लिस्ट के अनुसार निर्धारित समय पर टीके लगाए जाएं।

स्वच्छता सर्वेक्षण में नदी किनारे शहरों का अलग से होगा मूल्यांकन

घाटों की सफाई पर मिलेंगे 200 अंक, नदी संरक्षण और कचरा प्रबंधन पर रहेगा विशेष फोकस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के तहत इस बार नदी किनारे बसे शहरों के लिए अलग मूल्यांकन प्रणाली लागू की जा रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी नई गाइडलाइन में ऐसे शहरों के घाटों की सफाई और रखरखाव को विशेष महत्व दिया गया है। इसके तहत सर्वेक्षण में 200 अंक केवल नदी तट और घाटों की स्वच्छता के लिए निर्धारित किए गए हैं।

नई व्यवस्था के अनुसार, शहरों की रैंकिंग अब केवल सामान्य सफाई पर नहीं बल्कि नदी किनारे की स्थिति, घाटों की स्वच्छता और कचरा प्रबंधन पर भी निर्भर करेगी। विभाग ने सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी कर दिए हैं और इस दिशा में विशेष तैयारी शुरू कर दी गई है।

घाटों की सफाई से तय होगी रैंकिंग- गाइडलाइन के अनुसार, नदी किनारे बने घाटों की नियमित सफाई, कचरा निपटान और रखरखाव का सीधा असर शहर की रैंकिंग पर पड़ेगा। रिवर टाउन असेसमेंट को पहली बार सर्वे का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। इसके अंतर्गत यह देखा जाएगा कि शहर नदी प्रदूषण को रोकने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए कितने प्रभावी कदम उठा रहा है।

प्लास्टिक उपयोग पर सख्ती - सर्वेक्षण में प्लास्टिक कचरे को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्लास्टिक डिस्पोजल, सिंगल-यूज प्लास्टिक और छोटी बोतलों के उपयोग को कम करने के प्रयासों को अंक दिए जाएंगे। इसके स्थान पर रीयूजेबल सामग्री और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा।

नदी संरक्षण को मिलेगा बढ़ावा- इस पहल का मुख्य उद्देश्य नदी संरक्षण, सफाई और कचरा प्रबंधन में सुधार करना है। इससे न केवल स्वच्छता के स्तर में सुधार होगा बल्कि जनभागीदारी भी बढ़ेगी। प्रदेश के 10 संभागों में 106 घाटों को चिन्हित किया गया है, जहां विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

सीवेज और कचरा प्रबंधन पर फोकस- शहरों का मूल्यांकन सीवेज ट्रीटमेंट, कचरा प्रबंधन प्रणाली और नदी किनारों की नियमित सफाई के आधार पर किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि इस नई व्यवस्था से शहरों में स्वच्छता के प्रति प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और नदियों को प्रदूषण से बचाने में मदद मिलेगी।

पृथ्वी को बचाना है तो दुनिया को भारत के मार्ग पर चलना पड़ेगा - पद्मश्री मोहन नागर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय की आईक्यूएसी, भूगोल विभाग और प्रकृति शोध सोसाइटी (उदयपुर) के क्षेत्रीय कार्यालय उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पृथ्वी दिवस पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। हमारी शक्ति, हमारा ग्रह- पृथ्वी को पुनर्संतुलित करने का प्रयास विषय पर आयोजित इस सेमिनार में विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण पर गहराई से मंथन किया।

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि पृथ्वी को संकट से बचाना है तो दुनिया को भारत के रास्ते पर चलना पड़ेगा। हम भूमि पुत्र हैं और हमें भूमि की रक्षा करनी चाहिए। अथर्ववेद के पृथ्वी सूक्त का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि धरती को माता कहा गया है। हमारे बुजुर्ग सुबह धरती पर पैर रखते हैं तो उससे क्षमा मांगते हैं। हमारी संस्कृति में पेड़ों को भी प्राणवान और देवतुल्य माना गया है। आज धरती प्यासी है और हमें इसे पानी पिलाने की जरूरत है। तापमान को बढ़ने से रोकने के लिए सघन पौधारोपण और जल संरचनाओं का निर्माण करना होगा।

सारस्वत अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने कहा कि जल संरक्षण ही एक प्रकार से पृथ्वी का संरक्षण है।

उज्जैन में जनगणना ड्यूटी का बढ़ता बोझः आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में नाराजगी

बार-बार आदेशों के बावजूद मूल कार्यों से हटाया जा रहा स्टाफ- कुपोषित बच्चों व गर्भवती महिलाओं की सेवाएं हो रहीं प्रभावित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर लगातार बढ़ते अतिरिक्त कार्यों को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है। वर्ष 2011 से अब तक प्रदेश सरकार और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कई बार यह निर्देश दिए जा चुके हैं कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से उनके मूल कार्यों के अलावा अन्य विभागीय काम न लिए जाएं। इसके बावजूद जिला स्तर पर इन आदेशों की अनदेखी की जा रही है।

हाल ही में चुनाव ड्यूटी के बाद अब फिर से कार्यकर्ताओं को जनगणना ड्यूटी में लगा दिया गया है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ गई है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे पहले ही कई विभागों के कामों का दबाव झेल रही हैं, ऐसे में बार-बार अतिरिक्त जिम्मेदारी देना उचित नहीं है।

भुगतान में देरी और मानदेय की समस्या- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि उन्हें चुनाव कार्य सहित अन्य अतिरिक्त जिम्मेदारियों का भुगतान अब तक नहीं मिला है। वहीं मासिक मानदेय भी समय पर नहीं दिया जा रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सिर्फ 25 हजार रुपये का लालच देकर सरकार उनसे दो साल तक लगातार काम करवाना चाहती है, जबकि उनके पिछले बकाया भुगतान भी लंबित हैं। मध्यप्रदेश आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर स्पष्ट किया है कि वर्षों से उनसे विभिन्न विभागों के काम लिए जा रहे हैं, लेकिन अतिरिक्त कार्यों का भुगतान नहीं किया गया। ऐसे में अब वे जनगणना जैसे नए कार्य को स्वीकार करने के पक्ष में नहीं हैं।

मूल सेवाओं पर पड़ रहा असर- कार्यकर्ताओं का कहना है कि पहले से ही महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, पोषण, सर्वे, शिक्षा और चुनाव जैसे कई विभागों का काम उन्हें करना पड़ रहा है। एक साथ कई जिम्मेदारियां होने के कारण आंगनवाड़ी केंद्रों की मूल सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

कुपोषण और मातृ-सेवा पर असर- सबसे ज्यादा असर कुपोषित बच्चों की निगरानी, गर्भवती महिलाओं की देखभाल, धात्री माताओं की सहायता, पोषण आहार वितरण और प्री-स्कूल शिक्षा पर पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि इसी तरह अतिरिक्त कार्यों का दबाव बढ़ता रहा, तो बच्चों और महिलाओं को मिलने वाली बुनियादी सेवाएं और कमजोर हो जाएंगी।

जनगणना महत्वपूर्ण, कार्य जरूरी- अधिकारियों का कहना है कि जनगणना एक महत्वपूर्ण सरकारी कार्य है, जिसे पूरा करना आवश्यक है। साथ ही कार्यकर्ताओं की समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाने की बात भी कही गई है।

शादी में ढोल पर नाचने की बात को लेकर मारा चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी में नाचने के लिए ढोली को एक तरफ बुलाने की बात पर हुए विवाद में चाकूबाजी हो गई। एक युवक घायल हुआ है। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर चाकू मारने वाले की तलाश शुरू की है।

चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम चंदूखेड़ी स्थित श्याम राधे होटल में विवाह समारोह का आयोजन चल रहा था। जहां ढोल बज रहे थे। जिस पर समारोह में शामिल लोगों द्वारा नाच गाना किया जा रहा था। उसी दौरान समारोह में आए इंगोरिया के अभिषेक पिता नंदकिशोर पोरवाल ने ढोली को अपनी ओर बुलाकर ढोल बजाने के लिए कहा। इसी बात पर ढोल पर दूसरी ओर नाच रहे शुभम जायसवाल ने आपत्ति जताई। जिसके चलते दोनों के बीच विवाद हो गया। कहासुनी इतनी बढ़ी कि अभिषेक जायसवाल ने अपने साथियों के साथ मिलकर अभिषेक पोरवाल पर चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी होते ही समारोह में अफरा-तफरी मच गई। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। चाकू से हमला करने वाले भाग निकले थे।

इधर ढोली को मारे चाकू- मोहन नगर में रहने वाला अंबाराम पिता गंगाराम ढोल बजाने का काम करता है। जिसकी दुकान इंदौर गेट पर है। आसपास कुछ और ढोल बजाने वालों की दुकानें बनी हुई हैं। कुछ दिन पहले कार्यक्रम में ढोल बजाने की बात पर अंबाराम का विवाद जितेन्द्र से हो गया था। बीती रात जितेन्द्र ने अंबाराम को इंदौरगेट बुलाया और अचानक चाकू से हमला कर दिया। पेट में चाकू लगने पर अंबाराम लहूलुहान हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही डायल-112 मौके पर पहुंची। हमला करने के बाद जितेन्द्र भाग निकला था। अंबाराम का उपचार चरक अस्पताल में चल रहा है।

साल के पहले चार महीनों में 455 महिलाएं पहुंचीं वन स्टॉप सेंटर

77 को मिला आश्रय, अधिकांश मामलों में समझौता, घरेलू हिंसा के केस सबसे अधिक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में महिलाओं के साथ होने वाली प्रताड़ना के मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2026 के केवल शुरुआती साढ़े तीन महीनों (1 जनवरी से 21 अप्रैल) के भीतर ही चिमनगंज स्थित वन स्टॉप सेंटर में 455 महिलाएं अपनी शिकायत लेकर पहुंचीं।

इन मामलों में राहत की बात यह रही कि 75 से 80 प्रतिशत मामलों का निराकरण काउंसलिंग के माध्यम से कर दिया गया, जिससे कई परिवार टूटने से बच गए। वहीं 77 महिलाओं को आश्रय प्रदान कर उन्हें काउंसलिंग के बाद सुरक्षित घर भेजा गया।

घरेलू हिंसा के सबसे ज्यादा मामले- प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कुल मामलों में से 346 मामले घरेलू हिंसा से जुड़े रहे। इसके अलावा 32 मामले घर से भागने, 8 स्थानांतरण, और 6 मामले लिव-इन संबंधों से संबंधित शिकायतों के सामने आए। कई मामलों में युवतियां घर छोड़कर सेंटर पहुंचीं, वहीं कुछ मामलों में पुलिस द्वारा पीड़ित महिलाओं को यहां लाया गया।

काउंसलिंग से सुलझे विवाद- वन स्टॉप सेंटर में आने वाली महिलाओं और किशोरियों को काउंसलिंग के जरिए समस्याओं का समाधान देने का प्रयास किया जाता है। कई बार आपसी विवाद, गलतफहमियों या पारिवारिक तनाव के कारण उत्पन्न स्थितियों को समझाइश देकर शांत कराया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, कई मामलों में महिलाओं की भी गलती सामने आती है, लेकिन उचित मार्गदर्शन मिलने पर वे अपने परिवार के साथ वापस जाने के लिए तैयार हो जाती हैं।

सुरक्षा और न्याय का केंद्र बना वन स्टॉप सेंटर- चिमनगंज थाना क्षेत्र स्थित यह वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को आश्रय, कानूनी सहायता, काउंसलिंग और सुरक्षा प्रदान करने का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यहां आने वाले हर मामले को गंभीरता से लिया जाता है और पीड़ित को हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाती है। प्रभारी के अनुसार, सेंटर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को न्याय दिलाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ सामान्य जीवन में लौट सकें।

माता-पिता पत्रिका बांटकर लौटे तो लापता मिली पुत्री

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुत्री की शादी होने पर माता-पिता पत्रिका बांटने गये थे, जब वापस लौटते तो पुत्री घर छोड़कर लापता हो चुकी थी। मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई गई और पुत्री द्वारा आभूषण साथ रूपये ले जाने की बात भी कहीं है। मामला मक्सीरोड पंवासा क्षेत्र का सामने आया है। यहां रहने वाले परिवार में 1 मई को पुत्री का विवाह होना है। माता-पिता गुरूवार को पत्रिका बांटने गौतमपुरा गये थे। शाम को जब वापस लौटते तो पुत्री घर छोड़कर लापता हो चुकी थी। सभी जगह तलाश करने पर नहीं मिली तो मामले की शिकायत पंवासा थाने पहुंचकर की गई। परिजनों का कहना था कि तलाश के दौरान पता चला कि पुत्री को दूसरे धर्म के युवक बहला-फुसलाकर साथ ले गया है। उन्होने पुलिस को यह भी बताया कि लापता हुई पुत्री घर से लाखों के आभूषण और नगद रूपये भी अपने साथ ले गई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उक्त युवक की तलाश शुरू कर दी है।

11 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों को नशा मुक्त बनाए जाने के अभियान में पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ का कारोबार करने वालों की धरपकड़ की जा रही है। शुक्रवार शनिवार रात सूचना मिलने पर एक युवक को हिरासत में लिया गया जिसके पास से एमडी ड्रग्स बरामद हुई है। थाना नीलगंगा पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कच्चा मसानिया स्थित मंदिर के पीछे एक व्यक्ति अवैध मादक पदार्थ (एम.डी. ड्रग्स) लेकर बिक्री हेतु खड़ा है। पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम राकेश उर्फ चिना पिता शांतिलाल जगदेव 48 वर्ष, निवासी राजीव रत्न कॉलोनी, उज्जैन बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से एक पारदर्शी पन्नी में हल्के भूरे रंग का पाउडरनुमा पदार्थ बरामद हुआ जिसकी पहचान अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स के रूप में की गई जिसका वजन 11 ग्राम पाया गया। आरोपी द्वारा अवैध मादक पदार्थ रखना धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पाए जाने पर विधिवत गिरफ्तार किया गया। बरामद 11 ग्राम एम.डी. ड्रग्स को जप्त कर सीलबंद किया गया। ड्रग्स के साथ युवक को पकड़ने में थाना प्रभारी तरुण कुरील, एस आई वर्षा सोलंकी, एएसआई मेवाराम सखवार, आरक्षक दीपक, प्रियंका की भूमिका रही है ।

संभागीय आईटीआई उज्जैन में 5 दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (TOT) कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग के इलेक्ट्रिशियन ट्रेड के आईटीआई प्रशिक्षकों के लिए विगत 21 से 25 अप्रैल 2026 तक शासकीय संभागीय आईटीआई में 5 दिवसीय प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम GreenSkills+ प्रोजेक्ट के अंतर्गत Schneider Electric और GIZ के संयुक्त प्रयास से, मध्य प्रदेश आईटीआई संचालनालय के सहयोग से संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षकों को आधुनिक, उद्योग-आधारित तथा सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण तकनीकों से सशक्त बनाना था ताकि वे अपने संस्थानों में विद्यार्थियों को भविष्य की ग्रीन अर्थव्यवस्था के अनुरूप कौशल प्रदान कर सकें।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को निम्नलिखित विषयों पर गहन व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक ज्ञान दिया गया-

- ग्रीन एनर्जी एवं सतत विकास
- फ्यूचर-रेडी स्किल्स
- सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण पद्धतियां
- जेंडर जागरूकता एवं समावेशी शिक्षण
- गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण तकनीकें

संभाग के विभिन्न आईटीआई संस्थानों से आए प्रशिक्षण अधिकारी एवं प्रशिक्षक उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

समापन समारोह में आईटीआई के प्राचार्य श्री विवेक मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को आप अपने-अपने संस्थानों में अन्य प्रशिक्षकों तथा प्रशिक्षुओं तक अवश्य पहुंचाएं ताकि अधिक से अधिक युवाओं को ग्रीन स्किल्स का लाभ मिल सके।

सूरज उगल रहा आग, 43 डिग्री पहुंचा तापमान

देर शाम तक महसूस हो रही गर्म हवा, मई में भीषण गर्मी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सूरज ने अब आग उगलना शुरू कर दिया था। शनिवार को सीजन का सबसे गर्म दिन रहा था, तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया। शाम ढलने के बाद भी गर्म हवा महसूस हो रही थी मौसम विभाग ने तापमान और बढ़ाने का अलर्ट जारी किया है, पश्चिम की ओर से आ रही गर्म हवा से लू का खतरा भी बढ़ गया है।

अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक बारिश और ओलावृष्टि का सिलसिला पश्चिमी विक्षोभ के चलते बना हुआ था, अब पिछले 4-5 दिनों से तापमान में तेजी दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री दर्ज किया गया था । शनिवार को तापमान 43 डिग्री पहुंच गया। पश्चिम दिशा की ओर से आ रही गर्म हवा ने लू चलने का खतरा बढ़ा दिया था। मौसम विभाग में पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो सकता है जो अब सही साबित होता दिखाई दे रहा है। शनिवार सुबह 10 बजे बाद से ही सूरज आग उगल रहा था। सड़कों पर चलना परेशानी भरा हो गया था दोपहर 12 बजे के लगभग भीषण गर्मी के चलते शहर के प्रमुख मार्गो पर भी आवागमन काफी कम हो गया था। सड़कों पर दिखाई दे रहे लोग गर्मी से बचने के लिए चेहरे और सिर पर गमछा और कपड़े से ढके दिखाई दे रहे थे।

सुबह 8 बजे के लगभग 4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलना शुरू हुई थी जो दोपहर में 6 किलोमीटर प्रति घंटे की हो गई थी, स्थानीय वेधशाला के अनुसार हवा पश्चिम की ओर से आ रही है जिसमें गर्माहट बनी रहेगी, गर्म हवा से लू लगने का खतरा बढ़ गया है। दिन में बढ़ रहे तापमान के साथी अब रात भी गर्म होने लगी है, शुक्रवार शनिवार रात न्यूनतम तापमान 22.5 डिग्री दर्ज किया गया। संभावना जताई जा रही है कि आगामी एक सप्ताह में रात का तापमान भी 25 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है। दिन के साथ ही रात भी अब बेचैन करने वाली हो चुकी है।

कूलर की कीमतो में आई तेजी- अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह तक गर्मी से बचने के लिए सबसे अधिक बिकने वाले कूलरों की कीमत काफी कम थी। तापमान बढ़ने के साथ ही कीमतों में दो से ढाई गुना की वृद्धि कर दी गई है। कूलर का उपयोग जहां घरों में हो रहा है वहीं दुकानों, प्रतिष्ठानों के साथ ऑफिस और कार्यालयों में भी किया जा रहा है। कई स्थानों पर तो बड़े प्रतिष्ठानों में ग्राहकों के लिए भी कूलर लगाए जा रहे हैं। कूलर की बढ़ती बिक्री को देखते हुए दुकानदारों ने भाव में वृद्धि कर दी है। एसी की कीमत स्थिर बनी हुई है। आम लोग कूलर की ओर ही रूख कर रहे हैं।

पानी का स्तर में आने लगी गिरावट- तापमान बढ़ने के साथ नदी तालाब में एकत्रित पानी का वाष्पीकरण शुरू हो गया है। जिसके चलते जल स्तर में गिरावट आने लगी है। शहरी क्षेत्र में ट्यूबवेल और कुओं में भी पानी की आव अब काम हो रही है। शहर के सबसे बड़े जल प्रदाय के जल स्त्रोत गंभीर डेम का लेवल कम होता दिखाई दे रहा है। फिलहाल जल प्रदाय में समस्या नहीं है, लेकिन 15 मई तक इसी तरह तापमान बना रहा तो जल स्त्रोतों में एकत्रित पानी की मात्रा काफी कम हो सकती है जिससे आगामी समय में जल संकट का खतरा भी बन सकता है।

वल्लभनगर में सड़क और गार्डन बदहाल, टेंडर के 2 साल बाद भी नहीं बनी सड़क

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के वार्ड 43 स्थित वल्लभनगर में जर्जर सड़कों और उद्यानों की दुर्दशा को लेकर स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश है। सीएम हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद नगर निगम की टीम दो बार मौके पर जरूर पहुंची, लेकिन जमीनी स्तर पर सुधार कार्य अब भी अधूरा है। रहवासियों का आरोप है कि समस्या सुलझाने के बजाय संबंधित अधिकारियों द्वारा शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है।